बर्षः- 06
अंकः- 90
मुरादाबाद
(Monday)
90 July 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी बोले- आपदा प्रबंधन हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए, मुख्यालय के नए भवन का किया लोकार्पण

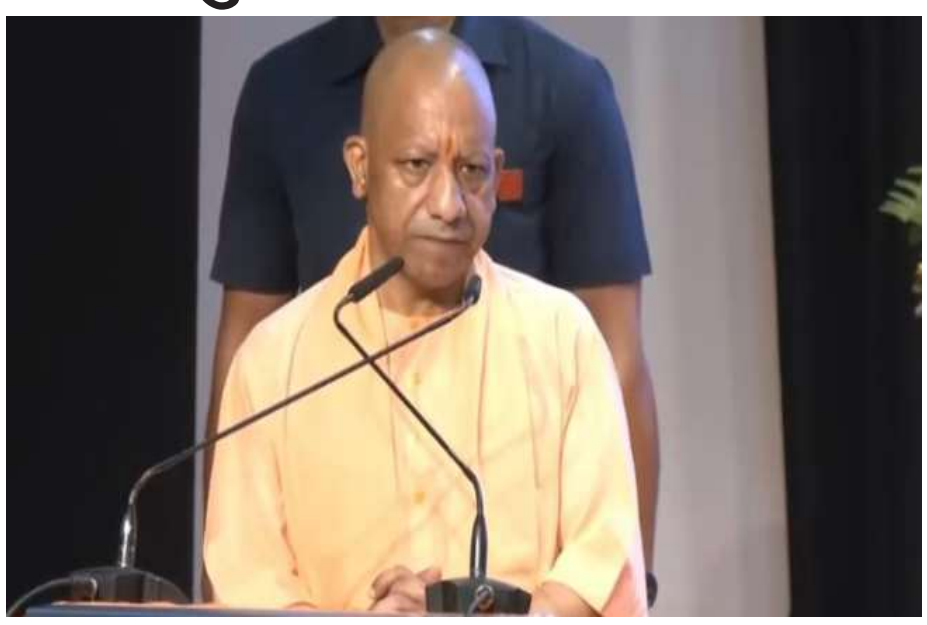

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नवीन मुख्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने आपदा प्रबंधन को लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपदा के प्रति पहले से सतर्कता, तैयारी और जागरूकता जन-धन की हानि को न्यूनतम स्तर पर ला सकती है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आपदा प्रबंधन हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए। असामान्य आचरण से नुकसान बढ़ता है, जबकि थोड़ी सी अवेयरनेस बड़ी हानि को नियंत्रित कर सकती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नवीन मुख्यालय भवन का लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हाल ही में खराब मौसम के कारण एक ही दिन में हुई 111 मौतों पर गहरा दुख और नाराजगी व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ सहित फतेहपुर, प्रयागराज, जौनपुर और आजमगढ़ जैसे कई जनपदों में अचानक बदले मौसम से ये मौतें हुईं, जिन्हें बेहतर समन्वय से रोका जा सकता था। उन्होंने अधिकारियों को आपदा से बचाव के लिए %अर्ली वार्निंग सिस्टम% को तुरंत प्रभावी बनाने और आपसी कोऑर्डिनेशन के साथ काम करने के कड़े निर्देश दिए हैं। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना और मेयर सुषमा खर्कवाल सहित कई अन्य नेता भी मौजूद रहे

संक्षिप्त समाचार

सरयू की पवित्र धारा में नाव पर बीयर-मटन पार्टी का वीडियो वायरल, कड़ी कार्रवाई की मांग

अयोध्या में सरयू नदी के बीच मटन और बीयर पार्टी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें कुछ युवक पवित्र सरयू में पार्टी करते हुए दिखाई दे रहे हैं। मामले की जांच की जा रही है।अयोध्या में पवित्र सरयू नदी के बीच नाव पर कथित रूप से बीयर और मटन पार्टी करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो थाना कैंट क्षेत्र के गुप्तारघाट का है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु मां सरयू में स्नान और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। वायरल वीडियो में चार युवक नाव पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। उनके सामने बीयर की कैन और मांसाहारी भोजन होने का दावा किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर इसे मां सरयू की मर्यादा और श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है।स्थानीय लोगों के अनुसार, वीडियो में दिखाई दे रहे युवक गुप्तारघाट क्षेत्र के ही निषाद समुदाय से जुड़े बताए जा रहे हैं। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। फिलहाल वीडियो की सत्यता, स्थान और इसमें शामिल लोगों की पहचान की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। यदि जांच में वीडियो गुप्तारघाट का और उसमें किए जा रहे कृत्य की पुष्टि होती है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा सकती है।

राम मंदिर मामलाः कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की मांग- भंग किया जाए राम मंदिर ट्रस्ट, संतों को सौंपी जाए जिम्मेदारी

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट को भंग कर साधु संतों और जो लोग सदियों से भगवान राम मंदिर में सेवा दे रहे उनकी देखरेख में व्यवस्था चलाई जाए।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी में केंद्र सरकार को दोषी बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने ट्रस्ट बनाया। नृपेंद मिश्रा प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव थे उन्हें ट्रस्ट की अहम जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने तत्काल ट्रस्ट को भंग करने की मांग उठाई। कहा कि साधु संतों और जो लोग सदियों से भगवान राम मंदिर में सेवा दे रहे उनकी देखरेख में व्यवस्था चलाई जाए। शहर में रविवार को कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के आवास पर पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अमर उजाला से खास बातचीत करते हुए सोनम वांगचुंग को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुंग अपने लिए लड़ाई नहीं लड़ रहे हैं। उन्हें जबरन उठाकर अस्पताल पहुंचना निंदनीय है। कांग्रेस उनके और छात्रों के साथ है। सीतापुर में एटीपीसी के कमांडेंट के फॉलोवर की आत्महत्या मामले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कहा कि पिटाई और उत्पीड़न से आहत होकर फालोवर ने यह कदम उठाया। आईपीएस पर हत्या का मुकदमा दर्ज हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 2027 में महंगाई, भ्रष्टाचार, राममंदिर चोरी, स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी आदि मुद्दों को लेकर मैदान मे उतरेगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरीः खुद को ठगा महसूस कर रहे श्रद्धालु, कांग्रेस ने PM मोदी को लिखा पत्र

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की जांच की मांग की है। उन्होंने पीएम मोदी को पत्र लिखकर ट्रस्ट के खातों और चढ़ावे की पूरी जानकारी सार्वजनिक करने को कहा है। कांग्रेस नेताओं ने मामले में जिम्मेदारी तय करने और कार्रवाई की मांग की है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष (एलओपी) के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र और व्यापक जांच कराने की मांग की है। पत्र में क्या कहा गया?- पीएम मोदी को लिखे पत्र में दोनों नेताओं ने कहा कि हजारों करोड़ रुपये की कथित चोरी की जानकारी सामने आने के बाद आस्था और विश्वास के साथ चढ़ावा देने वाले लाखों श्रद्धालु खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।उन्होंने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर संसद में ट्रस्ट बनाने की घोषणा की गई थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति सरकार ने की है। पत्र में ट्रस्ट के सदस्यों के संबंधों को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से कहा कि ऐसे मामले में उनकी चुप्पी स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि जवाबदेही तय करना और नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। पत्र में मांग की गई कि ट्रस्ट के आर्थिक मामलों की तुरंत स्वतंत्र और पूरी जांच कराई जाए। इसमें नकद, सोना, चांदी समेत सभी तरह के चढ़ावे के इस्तेमाल की जांच शामिल होनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने और क्या मांग की? दोनों नेताओं ने कहा कि जांच की रिपोर्ट और ट्रस्ट के खातों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए, ताकि हर श्रद्धालु को पता चल सके कि उनका दिया हुआ दान कहां और कैसे इस्तेमाल हुआ। उन्होंने कहा कि दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे उनका पद या प्रभाव कुछ भी हो। पत्र में यह भी कहा गया कि सरकार और ट्रस्ट की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि वह कितनी पारदर्शिता और तेजी से कार्रवाई करते हैं। देश की जनता इस पूरे मामले पर नजर रख रही है

UP में ओवैसी का बड़ा एलानः भाजपा को हराने के लिए गठबंधन को तैयार, राम मंदिर दान चोरी से जौहर विवि तक पर बोले

सहारनपुर में सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि भाजपा को हराने के लिए हम गठबंधन को तैयार हैं। इस दौरान उन्होंने भाजपा, सपा और कांग्रेस पर भी हमला बोला। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी और रामपुर की जौहर विवि को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा।ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि दूसरे राजनीतिक दल हम पर आरोप लगाते हैं कि हमारी पार्टी सांप्रदायिक पार्टी है। हम कभी किसी समुदाय के खिलाफ नहीं है। भाजपा को रोकने के लिए अन्य पार्टियों से गठबंधन करने के लिए तैयार हूं। मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि आपकी नाक के नीचे चोरी हो गई, जो स्कैनर लगना था। वह आस्था के लिए नहीं, बल्कि लूट के लिए लगाया गया। सांसद असदुद्दीन ओवैसी शनिवार को चिलकाना रोड पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने भाजपा, कांग्रेस और सपा पर निशाना साधा। कहा कि आपने सबसे अधिक बार कांग्रेस को प्रदेश की सत्ता में बैठाया। इसके बावजूद सबसे अधिक बेरोजगार हमारे समाज में है। भाजपा सरकार जुल्म कर रही है। जहां पर भी मस्जिद को तोड़ने की बात होगी। हम अपनी आवाज संविधान के दायरे में उठाएंगे। यदि जुल्म के खिलाफ आवाज उठाना सांप्रदायिक है तो मैं जुल्म के खिलाफ अपनी आवाज उठाता रहूंगा। मैं फिरकापरस्त नहीं, बल्कि इंसाफ परस्त हूं। उन्होंने कहा कि जिस समाज ने अपना झंडा और अपना नेता बनाया है उन्हें ही इंसाफ मिला है, जो समाज अपना झंडा और नेता नहीं बना सका और न ही अपना नेतृत्व तैयार कर पाया उसे इंसाफ नहीं मिलता। कहा कि सहारनपुर में लकड़ी की नक्काशी का काम होता था। वह भी अब जयपुर चला गया है।जौहर विवि पर रखी अपनी बात-जनसभा को संबोधित करने से पहले मीडिया से बात की। कहा कि सरकार जौहर विवि को निशाना साध रही है। उत्तर प्रदेश की साक्षरता दर काफी कम है। 19-20 फीसदी मुस्लिम आबादी में से मात्र साढ़े तीन फीसदी ही स्नातक की शिक्षा हासिल कर पाते हैं। जौहर विवि को नियमित किया जा सकता है। इससे तीन हजार छात्रों का भविष्य दांव पर है। सरकार नहीं चाहती की मुस्लिम पढ़े। सहारनपुर में ग्लोकल विवि थी। इसकी आज क्या हालत है। सरकार किस आधार पर दे रही मस्जिद तोड़ने का आदेश- जनसभा के दौरान असदुद्दीन ओवैसी ने कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के मुद्दे पर भी सरकार पर निशाना साधा। कहा कि मस्जिद 1955 से उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्ड में पंजीकृत है। किस आधार पर सरकार मस्जिद को तोड़ने का आदेश दे रही है।

इसका इस्तेमाल 70 वर्षों से मस्जिद के रूप में हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी वक्फ बाय यूजर के सिद्धांत को मान्यता दी है। नए मामलों में यह लागू नहीं होता, लेकिन पुराने मामलों में यह व्यवस्था लागू रहती है। इसके बाद भी मस्जिद को नोटिस दिया जा रहा है। सरकार जुल्म कर रही है। ओवैसी की जनसभा में उमड़ी भीड़, मंच पर चढ़े समर्थक, टूटा माइक ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआईएमआईएम) प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी की चिलकाना रोड स्थित जनसभा में भीड़ उमड़ पड़ी। उन्हें सुनने के लिए समर्थक शाम चार बजे से ही जनसभा स्थल पर जुटना शुरू हो गए थे। कई समर्थक हाथों में तिरंगा लिए हुए पहुंचे। इस दौरान सांसद एआईएमआईएम प्रमुख को सुनने के लिए कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह रहा। शाम करीब साढ़े सात बजे असदुद्दीन ओवैसी जैसे ही मंच पर पहुंचे समर्थकों ने नारे लगाने शुरू कर दिए। यहां तक की पेड़ पर भी चढ़ गए। कार्यकर्ता उत्साहित होकर मंच पर जा पहुंचे। इसी दौरान मंच पर लगा माइक भी टूट गया। आयोजक भी बार-बार मंच से आह्वान करते रहे कि शांति बनाकर रखे।- भीड़ काबू से बाहर होती देख वहां पर मौजूद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर किसी तरह स्थिति को नियंत्रण में किया। इसके बाद दूसरे माइक का बंदोबस्त किया गया। हालांकि उसका भी तार भीड़ की वजह से टूट गया। किसी तरह उसे चालू किया गया, तब जाकर सांसद असदुद्दीन ओवैसी का संबोधन शुरू हुआ।

20 जुलाई को आजादी का दूसरा आंदोलन : वांगचुक का नया संदेश, फिर बढ़ेगा आंदोलन? पत्नी के जरिए भेजा खास मैसेज

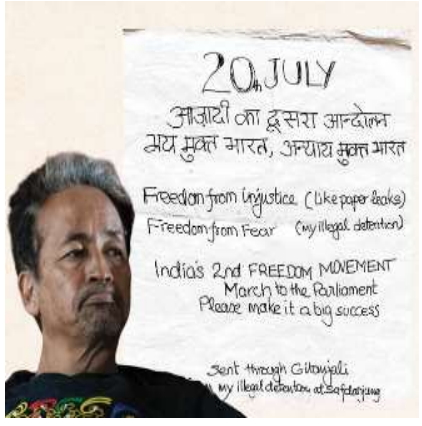

सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक की ओर से उनकी पत्नी गीतांजलि के माध्यम से एक हस्तलिखित संदेश जारी किया गया है। इसमें 20 जुलाई को %आजादी का दूसरा आंदोलन% बताते हुए लोगों से संसद मार्च को सफल बनाने और अन्याय व भय से मुक्ति की अपील की गई है। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की ओर से उनकी पत्नी गीतांजलि के माध्यम से एक हस्तलिखित संदेश जारी किया गया है। इस संदेश में उन्होंने 20 जुलाई को होने वाले कार्यक्रम को %आजादी का दूसरा आंदोलन% बताते हुए लोगों से संसद मार्च में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील की है।हस्तलिखित संदेश में सोनम वांगचुक ने लिखा है, आजादी का दूसरा आन्दोलन, जय मुक्त भारत, अन्याय मुक्त भारत। इसके साथ उन्होंने अंग्रेजी में Freedom from injustice (Like paper leaks)' और 'Freedom from Fear (my illegal detention); यानी अन्याय (जैसे पेपर लीक) से आजादी% और %डर से आजादी (मेरी कथित अवैध हिरासत)% का उल्लेख किया है।संसद मार्च को सफल बनाने की अपील- संदेश में आगे सोनम वांगचुक ने 20 जुलाई को संसद मार्च को सफल बनाने की अपील की है। संदेश के अंत में उन्होंने लिखा, यह संदेश उनकी पत्नी गीतांजलि के माध्यम से सफदरजंग में अपनी कथित अवैध हिरासत से भेजा गया है। गौरतलब है कि सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाए जाने के बाद सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, सोनम डॉक्टरों के निगरानी में हैं। और अस्पताल की ओर से जारी हेल्थ अपडेट के अनुसार उनके वाइटल पैरामीटर स्थिर हैं, हालांकि उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। जेएनयूटीए ने जंतर-मंतर पर पुलिस कार्रवाई की कड़ी निंदा की- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (जेएनयूटीए) ने जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों और अभिभावकों पर पुलिस द्वारा की गई कथित बर्बर कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। जेएनयूटीए ने इसे लोकतांत्रिक असहमति पर एक शर्मनाक और तानाशाही हमला करार दिया है। जेएनयूटीए का मानना है कि यह कार्रवाई उन नागरिकों के खिलाफ राज्य की शक्ति का दुरुपयोग है, जिन्होंने युवाओं के भविष्य को नुकसान पहुंचाने वाली नीतियों के लिए जिम्मेदार सत्ता से सवाल पूछने का साहस किया। संगठन के अनुसार, सरकार ने इस कृत्य से अपनी राजनीतिक और नैतिक विश्वसनीयता को उजागर किया है। यह स्पष्ट हो गया है कि सरकार अब युवाओं की गंभीर चिंताओं को हल करने योग्य संकट के बजाय दबाए जाने वाले जनसंपर्क संकट के रूप में देख रही है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय शिक्षक संगठन भी सोनम वांगचुक के समर्थन में आया। 20 जुलाई को होने वाले मार्च का समर्थन भी किया है।कैसी है सोनम वांगचुक की तबीयत?-अस्पताल के अनुसार, सोनम वांगचुक को आवश्यक चिकित्सकीय उपचार दिया जा रहा है।

संपादकीय Editorial

In the social media frenzy

The suspension of a police officer is surprising, or the action taken against Vijay Kumar, the head of the police band "Harmony of the Pines," is astonishing. While law and order may be a factor in a police officer's fame, the inspector in question is, in musical terms, a bandmaster, carrying the pride of the uniform and the file of service rules. This issue, with its valor, appearance, and character, is not so simple that it can be resolved through social media bickering or decisive voting. The rules of government employment and the principles of uniformity are not so delicate that the police band is considered merely a singer. The entire Himachal Police represented this band, and therefore, a state uniform was won in the "Hunarbaazi" show. The band may have stolen the show, but every salute received there was for the uniform and in its interest. Therefore, Vijay Kumar's fame was not a personal achievement. As long as a person wears a uniform and receives a government salary, their life's decorum, hobbies, omens, and traditions will be governed by government guidelines. In such a situation, they will inevitably suffer the sting of accusations. Only an investigation can determine why civil service rules have become so harsh and thorny for them. Nevertheless, if many senior officers have also been corrupted in the social media frenzy, honesty in actions cannot justify double standards.

We have seen some administrative officers violate ethics and service conditions, so these chapters should also be examined for record. The wasteful use of social media in the public sector is such that many teachers, ordinary employees, and subordinates are forgetting disciplined traditions. Social media play between employees, officers, and officers is inappropriate. To prevent the sins of social media from taking a serious form, not only the country and the state, but society as a whole will have to make moral pronouncements. We neither consider the action taken against Vijay Kumar to be meritorious nor condone his conduct, but we still urge that a lesson be learned. The country's law has not matured in such cases. Recently, in Arunachal Pradesh, a school teacher faced the consequences of sexual harassment, and internationally, the thinking is that children under the age of thirteen cannot join social media. In such a situation, parents who consider their duty fulfilled by handing a mobile phone to a toddler are also guilty. As for Himachal Pradesh, the reality of such a lesson will be proven if all government-sponsored tactics are kept away from social media. In this context, the merits and demerits of journalism also come into play. With the investment of a few thousand rupees, any casual, untrained, untrained, poorly educated, and unconcerned with social, national, or regional concerns, is teaching lessons on empathy with a mobile phone in hand.

Justice that looks like injustice

Anything is bad in excess—whether it's judicial activism or judicial leniency. Judicial inaction, combined with this activism and leniency, is only adding insult to injury. The repeated delays in Aftab Poonawala's trial are worrying. A cancer-stricken woman from Kerala has not received justice. Judicial leniency and delays are eroding public trust. Everyone is familiar with the adage that justice must not only be done, but also be seen. Unfortunately, examples of justice being denied are increasing in our country. The latest example is the relief granted to Aftab Amin Poonawala, accused in the horrific Shraddha Walker murder case. This sensational case is well-remembered: Aftab brought his girlfriend and live-in partner, Shraddha, from Mumbai to Delhi and killed her. After killing Shraddha, he chopped her body into 35 pieces, stored them in a refrigerator, and then dumped them one by one in the forest.

When this case came to light several months later, the nation was stunned. This incident occurred in May 2022. Because the incident was so heinous, it was assumed that the wheels of justice would move swiftly in this case, but that's not happening. Recently, a Delhi court postponed Aftab's trial because he had to appear for his MA Sociology exam.

At first glance, it might seem like a minor delay, but it's significant because when the trial was initially scheduled to begin on July 20th, Aftab's lawyer didn't inform the court that he had to appear for an exam that day. This was later disclosed, and the judge, showing leniency, postponed the hearing. This isn't the first time this has happened. Previously, Aftab's case had been postponed because he needed to see a dentist. Similarly, another time, the hearing was postponed because he needed to see a psychiatrist.

Everyone is familiar with the tactics used by influential accused persons, their family members, and lawyers to delay a case. The question here isn't about delaying a case, but whether it's necessary to punish a murder accused in a timely manner or to worry about his trial. It's true that justice dictates that a person should be presumed innocent until proven guilty, but will this principle of justice be applied liberally in the case of a murderer like Aftab? This isn't the first case to highlight the cycle of adjournments. There are countless such cases. Trials are typically delayed because the accused and their lawyers find ways to successfully delay their case by any means necessary. Everyone has heard the saying that everyone is equal before justice. Unfortunately, this is not true in our country. A prime example is the case of a cancer-stricken woman from Kerala who approached the Kerala High Court seeking access to expensive cancer medication at affordable prices. The hearing of this case was postponed 57 times. It was presented before eight different judges. The process of adjournment continued, and ultimately, the woman died. Fortunately, the Kerala High Court is willing to continue hearing the case even after her death. Recently, this Kerala case came into the spotlight when an organization working for easy access to medication and treatment wrote a letter to the Chief Justice of the Kerala High Court, the Chief Justice of the Supreme Court, and the President, complaining about the delay in judicial proceedings.

We should not forget how the Supreme Court heard the case of terrorist Yakub Memon at midnight and granted bail to Teesta Setalvad at 9 p.m. There have been other examples of influential individuals having their cases heard quickly. This was also because these cases were being argued by influential lawyers.

It is frequently heard that bail is the rule and jail is the exception, but this principle is being exploited arbitrarily, and sometimes even accused of serious crimes are granted bail. Recently, in Rangareddy district, Telangana, a man accused of raping a minor was granted bail. Upon his release from jail, he first killed the minor girl, her mother, and grandmother, then his wife and two children. He was later found dead as well.

Recently, Tahir Hussain, a former Aam Aadmi Party councilor convicted in the murder of IB officer Ankit Sharma during the horrific Delhi riots, was not only released from jail by the Supreme Court, but also allowed to contest the assembly elections and campaign. He was nominated by Asaduddin Owaisi's party. He campaigned for six days under police surveillance. Such judicial leniency neither enhances the prestige of the judiciary nor strengthens the common man's trust in it. Excess of anything is bad—whether it's judicial activism or judicial leniency. Judicial inaction, combined with this activism and leniency, is only adding insult to injury.

The Challenge of Reducing Imports

Today, it should not be expected that the thriving Indian middle class will be willing to buy low-quality products simply because they are manufactured domestically. The Union Cabinet is emphasizing reducing imports and increasing exports. Despite Make in India, the quality of Indian products remains low. Dependence on Chinese components remains a major challenge. Many of the decisions taken by the Union Cabinet yesterday focused on strengthening the country's economic situation. These decisions further underscore the government's desire to reduce imports and increase manufacturing, leading to increased exports. The government has been making such efforts in the past. Evidence of this is its launch of the Make in India campaign to make the country self-reliant and its repeated promotion of the Swadeshi mantra. Despite the vigorous launch of these campaigns and numerous measures to encourage businesses, the results are not fully realized. The country is forced to import many products that could easily be produced domestically. The fact is that exports of Indian products are not growing as expected. The biggest problem is that even those Indian businesses, who have no shortage of capital and resources, are not coming forward to adopt methods to reduce dependence on imports and manufacture world-class products. It is difficult to understand why even our big businesses are not willing to make the required investments in research and innovation. It would be appropriate for the government to investigate the reasons behind this, because reducing imports and increasing exports is impossible unless our businesses fulfill their share of the responsibility. Very few Indian businesses produce products that have global demand, recognition, and reputation. If they can provide world-class services, why are they unable to produce products of world-class quality? It should be kept in mind that Indian products can only establish their place in the world if their quality improves. Today, it should not be expected that the thriving Indian middle class will be willing to buy low-quality products simply because they are manufactured domestically. When foreign products are readily available to them at the same price, why should they compromise on quality? It is undoubtedly unfair that many of the essential components for the finished goods India is exporting are imported, particularly from China. These include electronics, pharmaceuticals, and engineering materials. It is worrying that despite all efforts, dependence on Chinese imports is showing no signs of abating. If India wants to increase exports, it must focus on manufacturing electronics materials alongside traditional products like textiles, gems, jewelry, and chemicals.

Offices Moving from Shimla

Offices in the capital, Shimla, were first divided, and now some offices, including the original, are being relocated to district headquarters. In this same sequence, the headquarters of the State Backward Classes Commission has been relocated to Dharamshala. Clearly, if the Commission's office has moved downward, in the context of backward classes, the question of its appropriateness is being resolved. Previously, some offices have moved away from the hustle and bustle of Shimla, so the list of these moves will be examined. Himachal, with its broader image, has become Lower Himachal, yet the needs for reorganization remain unmet. Reorganization is also needed at the state level due to geographical conditions. Many offices are already trapped in Shimla, while some offices from district headquarters could also be relocated. For example, departments like the Fisheries Department, Agriculture-Horticulture, and Animal Husbandry should be relocated from district headquarters. While there may be political reasons for dividing Himachal, politics cannot be a factor in every change. Himachal Pradesh now needs infrastructural, administrative, and economic transformation. For this, economy must be paramount. If government buildings across the state are vacant, they can be utilized by relocating rented offices. There is a need to understand infrastructural needs, as rationalization is essential if schools and colleges are operating below capacity. If only 51 students are studying in a 70-kanal school in Dharamshala, then this building could be used for other purposes. This thinking will emerge when the government's Real Estate Management Authority also publicly maintains government buildings. Residential residences should not be located alongside government offices to improve their administrative function and enhance their future-readiness. Instead, clusters of two or three cities should be established to establish employee towns. It is surprising when political tactics defeat the purpose. For example, science and commerce subjects were removed from the use of many colleges, making these subjects political. Similarly, by unnecessarily making colleges the center of postgraduate programs, the entire education system has been derailed. How can restructuring be achieved? However, some offices would make more sense outside Shimla than in Shimla. For example, if the Horticulture Headquarters were relocated near Forestry University, Solan, and the Agriculture Headquarters near Agriculture University, Palampur, the relevance would increase. Having the Directorate of Education near the School Education Board in Dharamshala enhances its prestige. If Mandi is the cultural capital, then having the headquarters of Arts, Language, and Culture there, while the Electricity Department in Sundernagar, would seem more appropriate. Smaller offices leaving Shimla would gain more status by moving to district headquarters. In this context, major cities would need to be categorized and transformed

सपा में फिर उभरी अंदरूनी खींचतान: सम्मेलन में सांसद पहुंची लेकिन गायब थे चारों विधायक, गर्माई सियासत;उठे सवाल

सपा में फिर से अंदरूनी खींचतान उभरकर सामने आई है। मुरादाबाद में ब्राह्मण सम्मेलन में सांसद रुचि वीरा पहुंचीं लेकिन जिले के चारों विधायक गायब थे। संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच तालमेल पर सवाल उठ गए हैंब्राह्मण समाज को अपने साथ जोड़कर 2027 के विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाने में जुटी समाजवादी पार्टी शनिवार को अपने ही घर की सियासी दरारों को छिपा नहीं सकी। बुद्धि विहार स्थित व्हाइट हाउस में आयोजित ब्राह्मण सम्मेलन में पार्टी के चारों विधायक नदारद रहे। मंच पर मुख्य अतिथि बलिया के सांसद सनातन पांडेय के साथ मुरादाबाद की सांसद रुचि वीरा ही एकमात्र जनप्रतिनिधि के रूप में मौजूद दिखीं। बाकी पूरा कार्यक्रम संगठन के भरोसे चलता रहा। जिस पार्टी को मंडल की छह विधानसभा सीटों पर भाजपा के खिलाफ मजबूत घेराबंदी करनी है, वह अपने विधायकों को एक मंच पर भी नहीं ला सकी। इससे पार्टी के अंदर समन्वय को लेकर फिर सवाल खड़े हो गए हैं। कार्यक्रम में कांठ विधायक कमाल अख्तर, मुरादाबाद देहात विधायक नासिर कुरैशी, बिलारी विधायक फहीम इरफान और ठाकुरद्वारा विधायक नवाब जान में से कोई भी नहीं पहुंचा।सवाल उठ रहा है कि आखिर पार्टी के महत्वपूर्ण सम्मेलन में चारों विधायकों की गैरमौजूदगी महज संयोग थी या अंदरूनी खींचतान का एक और संकेत।जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव का कहना है कि सभी जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रम की सूचना भेजी गई थी। जिलाध्यक्ष के दावे से पूरी तरह मेल नहीं खाता विधायक का बयान- उनके मुताबिक, कांठ विधायक कमाल अख्तर अमरोहा में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के कार्यक्रम में व्यस्त थे, इसलिए नहीं आ सके। वहीं, देहात विधायक नासिर कुरैशी लखनऊ में होने के कारण कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए। हालांकि नासिर कुरैशी का बयान जिलाध्यक्ष के दावे से पूरी तरह मेल नहीं खाता। उन्होंने कहा कि वह पिछले कुछ दिनों से लखनऊ में हैं और उन्हें कार्यक्रम की जानकारी ही नहीं थी। उनका कहना है कि संभव है जिलाध्यक्ष की ओर से सूचना उनके कार्यालय भेजी गई हो, लेकिन उन्हें व्यक्तिगत रूप से इसकी जानकारी नहीं मिली। उधर ठाकुरद्वारा विधायक नवाब जान का जवाब भी कई सवाल छोड़ गया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की जानकारी तो थी, लेकिन यह किस तारीख को है, यह देखना होगा। उन्होंने अपनी टीम को कार्यक्रम में जाने के लिए कहा था, जबकि वह किसी काम से ढकिया आए हुए थे। बिलारी विधायक फहीम इरफान की गैरमौजूदगी पर जिलाध्यक्ष भी कोई स्पष्ट कारण नहीं बता सके। उनका कहना था कि सूचना भेजी गई थी, लेकिन उनके नहीं आने की वजह की जानकारी नहीं है। पहले भी कई मंचों पर दिखी है सपा की अंदरूनी खींचतान- यह पहला मौका नहीं है जब सपा के मंच पर अंदरूनी असहमति खुलकर सामने आई हो। इससे पहले सांसद रुचि वीरा की अध्यक्षता में आयोजित दिशा समिति की बैठक में भी पार्टी के विधायक शामिल नहीं हुए थे। दो महीने पहले रामगंगा विहार के क्लिफटन बैंक्वेट हॉल में हुए पीडीए सम्मेलन में पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी नाराज होकर बिना भोजन किए लौट गए थे। उस दौरान कार्यकर्ताओं ने शहर विधानसभा से सलीम अख्तर को टिकट देने की मांग उठाकर नेतृत्व को असहज कर दिया था। इसके बाद ताजपुर में आयोजित पीडीए सम्मेलन में सांसद रुचि वीरा को आमंत्रित न करने और पोस्टरों से उनका फोटो गायब रहने को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को हस्तक्षेप करना पड़ा। वहीं कांठ विधायक कमाल अख्तर के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) पद से इस्तीफे ने भी पार्टी के भीतर असंतोष की चर्चाओं को हवा दी थी। अब फिर सियासी चर्चाओं को मिली हवा- अब ब्राह्मण सम्मेलन में चारों विधायकों की गैरहाजिरी ने इन चर्चाओं को फिर तेज कर दिया है। ऐसे समय में जब समाजवादी पार्टी सामाजिक समीकरणों को साधने और नए वोट बैंक को जोड़ने की कोशिश कर रही है, अपने ही जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति विपक्ष को सवाल उठाने का मौका दे रही है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच यही दूरी बनी रही तो आगामी चुनावी रणनीति पर इसका असर पड़ सकता है। फिलहाल, ब्राह्मण सम्मेलन से ज्यादा चर्चा उसमें दिखी सपा की अंदरूनी तस्वीर की हो रही है।हमने पार्टी के सभी जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रम की सूचना भिजवाई थी। अमरोहा में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का कार्यक्रम था इसलिए कमाल अख्तर नहीं आ पाए। देहात विधायक लखनऊ में हैं। बिलारी विधायक और ठाकुरद्वारा विधायक के आने के कारण के बारे में जानकारी नहीं है। ब्राह्मण समाज पर फोकस्ड कार्यक्रम था इसलिए किसी पर ज्यादा जोर नहीं दिया गया।- जयवीर सिंह यादव, जिलाध्यक्ष

लोकसभा चुनाव से शुरू हुई थी नदवी और आजम परिवार के बीच तल्खी, जौहर विवि में एंट्री न मिलने पर कही बात

लोकसभा चुनाव से आजम परिवार और सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी के बीच तल्खी शुरू हुई थी। आजम रामपुर सीट से नदवी को उम्मीदवार बनाए जाने के पक्ष में नहीं थे। अखिलेश यादव को सैफई परिवार से किसी को मैदान में उतारने का सुझाव दिया था। सपा नेता आजम खां के सपनों से तामीर हुई जौहर यूनिवर्सिटी में शनिवार को पार्टी के ही सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी को यूनिवर्सिटी गेट पर रोक दिए जाने का घटनाक्रम सपा ही नहीं अन्य दलों में भी चर्चा का विषय बन गया। ज्यादातर लोगों का मानना है कि लोकसभा चुनाव के समय से आजम खां परिवार और नदवी के बीच पैदा हुई तल्खी अभी खत्म नहीं हुई है। जौहर यूनिवर्सिटी के 28 भवनों के ध्वस्तीकरण आदेश के बाद से सांसद नदवी ने इस मुद्दे के जरिये आजम परिवार के करीब आने की पहल की है लेकिन शनिवार की घटना ने साफ कर दिया कि आजम परिवार ने नदवी के प्रति रुख नहीं बदला है।साल 2024 में लोकसभा चुनाव का बिगुल बजने के समय आजम खां जेल में थे। मुकदमों में अदालत से सजा मिलने के कारण उनके या बेटे के चुनाव लड़ने के रास्ते बंद थे। लिहाजा उस समय उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव को रामपुर की सीट से सैफई परिवार के किसी शख्स को चुनाव मैदान में लाने का सुझाव दिया था। उम्मीदवारों की घोषणा के दौरान अखिलेश यादव ने रामपुर जिले के मूल निवासी लेकिन दिल्ली की एक मस्जिद में इमामत करने वाले मौलाना नदवी को रामपुर सीट से सपा प्रत्याशी बना दिया था। इससे न सिर्फ आजम खां और उनका परिवार असंतुष्ट हुआ बल्कि तब रामपुर के कई सपा नेताओं ने नदवी को चुनाव न लड़ाने का एलान भी कर दिया था।पार्टी के भीतर की इस अंदरूनी खींचतान को कम करने के लिए अखिलेश यादव ने तब मुरादाबाद सीट पर एक प्रयोग किया। मुरादाबाद से सपा उम्मीदवार बनाए गए पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन का अंतिम समय में टिकट काटकर रुचि वीरा को प्रत्याशी बना दिया था। इस फैसले से पहले आजम खां मुरादाबाद सीट की उम्मीदवारी के लिए पार्टी अध्यक्ष को यही सुझाव दे चुके थे। इन दोनों प्रयोगों से सपा रामपुर और मुरादाबाद सीटें जीतने में तो कामयाब हो गई लेकिन आजम और उनके परिवार के इर्दगिर्द घूमने वाली सपा की सियासत में नदवी के रूप में नए चेहरे का उदय आजम परिवार को नागवार गुजरा था। तब से दोनों के बीच कभी नजदीकी देखने को नहीं मिली। हाल ही में जौहर यूनिवर्सिटी के खिलाफ जारी आदेश के बाद से नदवी ने यूनिवर्सिटी की हिफाजत पर जोर देने के साथ आजम परिवार के करीब आने की कोशिश शुरू की है। शनिवार को यूनिवर्सिटी जाने से पहले उन्होंने इसकी सुरक्षा के लिए मीडिया को बयान दिया था। साथ ही दिल्ली में जंतर-मंतर पर चल रहे वांगचुक के आंदोलन में डिंपल यादव समेत अन्य सपा नेताओं के साथ पहुंचकर वहां भी जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा उठाया था। सपा सांसद को जौहर यूनिवर्सिटी में घुसने से रोका, गेट से ही लौटे- रामपुर के सपा सांसद मौलाना मोहिबुल्लाह नदवी शनिवार को जौहर यूनिवर्सिटी गए, लेकिन उन्हें सुरक्षा कर्मियों ने गेट पर ही रोक दिया। करीब आधे घंटे गेट पर इंतजार के बाद भी प्रवेश न मिलने पर वह वापस लौट गए। वापसी करने से पहले नदवी ने वहां मौजूद मीडिया के सवालों के जवाब दिए। यूनिवर्सिटी की हिमायत करते हुए कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी पर रामपुर या आसपास के क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति राजनीति नहीं करना चाहता। यह शैक्षणिक संस्थान पूरे हिंदुस्तानी समाज का है, जहां हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सभी धर्मों के हजारों बच्चे एक साथ मिलकर अपना भविष्य संवार रहे हैं। अखिलेश यादव का पैगाम लेकर आया था- नदवी- सरकार संस्थानों को शख्सियत से न जोड़े। विश्वविद्यालयों को किसी एक शख्सियत से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव हमेशा पॉजिटिव सियासत करते हैं। मैं उनका ही पैगाम लेकर आया था। हमारी पार्टी की हमेशा कोशिश रही है और आगे भी रहेगी कि तालीमी इदारों को राजनीति से पूरी तरह दूर रखा जाए। मेहनत से बनी यूनिवर्सिटी का प्लास्टर भी न गिरे- एक सवाल के जवाब में सांसद ने कहा कि हम बिल्कुल यह नहीं चाहेंगे कि यूनिवर्सिटी का एक प्लास्टर भी गिरे। यह संस्थान लोगों की गाढ़ी कमाई और कड़ी मेहनत से बना है। हम सभी इस इबादतखाने की इज्जत और एहतराम करते हैं। यह यूनिवर्सिटी आजम खां की कड़ी मेहनत और कोशिशों से कायम की गई थी। इसके निर्माण से लेकर आज तक पूरी पार्टी और यहां तक कि बाहर के लोगों ने भी हमेशा इसे पूरा समर्थन दिया है। कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी के नाम पर रामपुर की जनता में कभी कोई मतभेद नहीं था, न है और न ही आगे रहेगा। यूनिवर्सिटी के भीतर न जा पाने के मामले में सफाई भरे लहजे में उन्होंने कहा कि इंतजामियां की कुछ मजबूरियां रही होंगी, वहां पढ़ने-पढ़ाने वालों के काम में खलल न पड़ने की वजह भी हो सकती है। हम डिस्टर्ब करने नहीं यूनिवर्सिटी के बचाव की बात के लिए आए हैं।इस दौरान सांसद के साथ बदन सिंह यादव, महबूब अली पाशा, पंडित छत्रपाल शर्मा, अनीता यादव, हाफिज अब्दुल सलाम और अतर सिंह कोटिया, तेजेंद्र सिंह ब्रिक, सुरेंद्र सागर मौजूद रहे।

भाजपा मंडल कार्यालय के पास बुजुर्ग की चाकू से गोदकर हत्या, सिर पर शरीर पर मिले गंभीर चोट के निशान

कुंदरकी के गांव नानपुर में कोल्हू संचालक करन सिंह की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। सुबह शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस और फोरेंसिक टीम जांच में जुटी हैं। मुरादाबाद-आगरा नेशनल हाईवे से सटे कुंदरकी थाना क्षेत्र के गांव नानपुर में हत्या कर दी गई। वारदात भाजपा के रतनपुर कला मंडल गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस के आला अधिकारी ली। नानपुर निवासी करन सिंह (65) गांव में कोल्हू का में चौकीदारी का काम भी करते थे। रात को वह घर में सो हत्या कर दी गई। उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों की नजर करन सिंह पर पड़ी तो वह खून से लथपथ पड़े गया। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दीपुलिस ने फोरेंसिक पर एसपी देहात भी गांव पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर घटना की जानकारी ली। अधिकारियों ने आसपास के फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है।परिजनों ने किसी से की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। एसपी देहात ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। कई टीमों को खुलासे के लिए लगाया गया है। शनिवार देर रात कोल्हू संचालक बुजुर्ग की चाकू से गोदकर कार्यालय के बगल में हुई। बुजुर्ग का लहूलुहान शव मिलने से मौके पर पहुंचे और आसपास के लोगों से मामले की जानकारी संचालन करते थे। इसके अलावा वह रात के समय बिजलीघर रहे थे। इस बीच उनकी चाकू व धारदार हथियार से हमला कर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं।रविवार सुबह जब परिजनों थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच सूचना पर कुंदरकी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। घटना की सूचना मिलने किया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और परिजनों से बातचीत लोगों से पूछताछ की और इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की भी पुरानी रंजिश होने से इनकार किया है। ऐसे में हत्या के पीछे

संक्षिप्त समाचार

फर्जी मुठभेड़ मामले में तत्कालीन एसपी शगुन गौतम की फिर खुली फाइल, पीड़ित व्यापारी की बेटी के बयान दर्ज

रामपुर के चर्चित फर्जी मुठभेड़ मामले में पूर्व एसपी शगुन गौतम के खिलाफ शासन ने दोबारा जांच शुरू कर दी है। पीड़ित व्यापारी की बेटी के बयान दर्ज किए जा चुके हैं, जबकि व्यापारी स्वास्थ्य कारणों से बयान नहीं दे सके। उन्होंने जान का खतरा बताते हुए शासन से सुरक्षा की मांग भी की है।आईपीएस शगुन गौतम पर शासन का शिकंजा कसता जा रहा है। रामपुर के चर्चित फर्जी मुठभेड़ में दोषी पाए गए तत्कालीन एसपी शगुन गौतम की शासन के आदेश पर एक बार फिर जांच शुरू हो गई है। मामले में पीड़ित व्यापारी की बेटी के बयान दर्ज किए गए हैं जबकि व्यापारी को भी बयानों के लिए भी डीआईजी कार्यालय बुलाया गया है। छह अप्रैल 2021 को मिलक कोतवाली पुलिस ने खुलासा किया था कि उसने दो दिन पहले भैंसोड़ी गांव के पास शराब से भरा कैंटर पकड़ा था, जिसमें 32 लाख की शराब भरी थी। पुलिस ने व्यापारी संजीव गुप्ता पुत्र ओमप्रकाश गुप्ता निवासी मौहल्ला कृष्णाविहार कालोनी ज्वालानगर समेत कई की गिरफ्तारी भी दिखाई थी।जेल से आने के बाद व्यापारी संजीव गुप्ता ने मुख्यमंत्री से शिकायत की। जिसमें उन्होंने प्रार्थना पत्र के साथ सभी साक्ष्य लगाते हुए आरोप लगाया कि यह सब एसपी शगुन गौतम के इशारे पर हुआ है। उनसे दस लाख रुपये भी लिए गए हैं और फर्जी मुठभेड़ में भी बंद किया। डीआईजी मुरादाबाद ने जब इसकी जांच की तो मुठभेड़ भी फर्जी पाई गई और केस की विवेचना में भी पुलिस की भूमिका संदिग्ध मिली। जिस पर तत्कालीन डीआईजी शलभ माथुर ने एसपी को अग्रेत्तर विवेचना के आदेश दिए देते हुए कार्रवाई को कहा था। तत्कालीन एसपी अशोक शुक्ला ने इस मामले में दोषी कई पुलिस वालों को दंडित किया था, साथ ही आरोपी एसपी शगुन गौतम पर फैसला लेने के लिए पत्रावली शासन को भेज दी थी। जिसमें तत्कालीन डीआईजी शलभ माथुर ने भी शासन से कार्रवाई की संस्तुति की थी। अब शासन ने अपने स्तर से इस मामले में फिर से जांच शुरू करा दी है। 13 जुलाई को बयान हुए दर्ज- चर्चित प्रकरण की जांच शासन ने पुलिस महानिरीक्षक महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, लखनऊ सुभाष चंद्र दुबे को सौंपी है। आईजी सुभाष चंद्र दुबे ने इस मामले में व्यापारी संजीव गुप्ता और उनकी बेटी को बयानों के लिए 13 जुलाई को बुलाया था। व्यापारी संजीव गुप्ता ने बताया कि मेरा स्वास्थ्य खराब होने के चलते मैं अपने बयान दर्ज नहीं करा पाया हूं लेकिन, इस मामले में मेरी बेटी ने बयान दर्ज कराए हैं। साथ ही संबंधित साक्ष्य भी सौंप दिए हैं। व्यापारी संजीव ने मांगी सुरक्षा- चर्चित प्रकरण में शासन को प्रत्यावेदन देकर व्यापारी संजीव गुप्ता ने जान को खतरा बताया है। उन्होंने कहा है कि तत्कालीन एसपी रामपुर शगुन गौतम का हमारे मामले को लेकर प्रमोशन तक शासन ने होल्ड कर रखा है। आरोप है कि द्वेष के चलते वह कुछ भी करा सकते हैं। संजीव गुप्ता ने जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

भाजपा विधायक रहे पिता की विरासत को आगे बढ़ाएंगे ईशान ग्वाल, उत्तर प्रदेश ताइक्वान्डो संघ के मनोनीत अध्यक्ष बने

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो/ बरेली। फरीदपुर विधानसभा क्षेत्र से दिवंगत भाजपा विधायक एवं शिक्षाविद् डॉ. प्रो. श्यामबिहारी लाल के पुत्र ईशान ग्वाल को उत्तर प्रदेश ताइक्वान्डो संघ (पंजीकृत) का मनोनीत अध्यक्ष बनाया गया है। यह उनके परिवार को मिली पहली बड़ी सामाजिक एवं खेल संगठन से जुड़ी जिम्मेदारी मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश ताइक्वान्डो संघ के महासचिव अनिल कुमार ने 13 जुलाई 2026 को ईशान ग्वाल को मनोनयन पत्र सौंपा। संघ ने विश्वास जताया कि ईशान ग्वाल अपने पिता की जनसेवा और खेलों के प्रति समर्पण की विरासत को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश में ताइक्वान्डो को नई पहचान दिलाने का कार्य करेंगे। मनोनयन के बाद ईशान ग्वाल ने इसे अपने लिए भावनात्मक और गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए संघ के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पद उनके लिए केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि अपने पिता के अधूरे सपनों को साकार करने का अवसर है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका लक्ष्य प्रदेश के हर जिले, विशेषकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों तक ताइक्वान्डो को पहुंचाना, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग देना तथा संघ में पारदर्शिता और एकता को मजबूत करना रहेगा। ईशान ग्वाल ने प्रशिक्षकों, पदाधिकारियों और खिलाड़ियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से उत्तर प्रदेश को ताइक्वान्डो के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाया जा सकता है। ईशान ग्वाल के मनोनयन की घोषणा के बाद प्रदेशभर के ताइक्वान्डो खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। खेल जगत से जुड़े लोगों ने उम्मीद जताई है कि उनके नेतृत्व में प्रदेश में ताइक्वान्डो को नई गति मिलेगी और युवाओं के लिए बेहतर अवसर तैयार होंगे।

जौहर यूनिवर्सिटी पर सियासत गरमाई ,सपा ने ध्वस्तीकरण रोकने की मांग उठाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो/ बरेली। रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों पर प्रस्तावित ध्वस्तीकरण की कार्रवाई को लेकर समाजवादी बरेली सपा कार्यालय में बहेड़ी के विधायक समाजवादी पार्टी बहेड़ी के विधायक आता उर रहमानचिंता जताते हुए

कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार को इन 38 अवगुणों को स्वस्थ ना करके कोई ऐसी समाधान निकालना चाहिए जिससे छात्र छात्राओं का भविष्य आधर में ना लटके। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, मगर उनकी कीमत विद्यार्थियों को नहीं चुकानी चाहिए।

जौहर यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे हजारों छात्रों का भविष्य किसी भी राजनीतिक विवाद से अधिक महत्वपूर्ण है। सरकार का दायित्व शिक्षा संस्थानों को मजबूत करना और युवाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने मांग की कि सरकार ऐसा कोई कदम न उठाए जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई और भविष्य प्रभावित हो तथा शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचे। इस अवसर पर बहेड़ी के विधायक अता रहमान, सपा के जिला अध्यक्ष शुभलेश यादव व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

विभिन्न स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों के प्रति किया गया जागरुक

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी/ पुलिस अधीक्षक महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस

कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और मिशन शक्ति के तहत उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक किया गया। निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर जानकारी दी गई - मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0 स्वानिधि योजना, पी0एम0 सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

फूफा बनकर पीएसी सिपाही को ठगा, मदद के नाम पर ट्रांसफर कराए 13 लाख रुपये

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो/ बरेली। पीएसी आठवीं वाहिनी के एक सिपाही की जीवनभर की पूंजी शातिर साइबर ठग ने हड़प ली। साइबर ठग ने फूफा बनकर सिपाही को कॉल की और उन्हें बातों में फंसा लिया। फिर इमरजेंसी बताकर 13 लाख से ज्यादा रुपये ट्रांसफर करा लिए। जब सिपाही ने फूफा को संपर्क कर पूछा तो ठगी के बारे में पता चला। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मुरादाबाद के गांव सेहल निवासी रवि सागर आठवीं वाहनी पीएसी बरेली में तैनात हैं। रवि के मुताबिक 24 जून को उनके नंबर पर अंजान नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले खुद को उनका फूफा बताकर परिचय दिया। परिवार का हालचाल लेने के बाद बताया कि वह आगरा में है। आरोपी ने उन्हें अपनी बातों में फंसा लिया।

कई बार में ट्रांसफर कराई रकम - इसके बाद साइबर ठग ने इमरजेंसी बताकर रवि से 1329000 रुपये कई बार में अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा लिए।

रकम ट्रांसफर करने के बाद जब रवि ने अपने फूफा से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि कोई रुपये नहीं मांगे हैं। उनकी बात सुनकर रवि हैरान रह गए, तब उन्हें अहसास हुआ कि उनके साथ ठगी हुई है। रवि की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। साइबर क्राइम पोर्टल पर भी शिकायत की गई है।

मादक पदार्थ तस्करों के गिरोह का भंडाफोड़ ,चार आरोपी गिरफ्तार, 4.98 कुंतल केमिकल बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो/ बरेली। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 498 किलोग्राम एसिटिक एनहाइड्राइड प्रिकर्सर केमिकल बरामद किया गया, जो मार्फीन से स्मैक बनाने में इस्तेमाल होता है। थाना शाही में एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों का चालान कर कोर्ट भेजा गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

एएनटीएफ बरेली इकाई के प्रभारी विकास यादव ने बताया कि आरोपियों में बदायूं जिले के सहसवान थाना क्षेत्र के गांव नदायल निवासी वासिद, अमरोहा के थाना मंडी धनौरा के गांव चक मुस्तफापुर निवासी जोगेश सिंह, अमरोहा के ही थाना डिडौली के गांव हटऊआ निवासी तेजपाल सिंह और डिडौली की जाटव कॉलोनी जोया निवासी अरुण कुमार को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से दो वाहन, पांच मोबाइल फोन और 1080 रुपये भी बरामद हुए हैं।

पूछताछ में उगला राज- जोगेश को इस गिरोह का सरगना बताया जा रहा है। उसने टीम को बताया कि वे चारों एसिटिक एनहाइड्राइड लेने के लिए हरियाणा के मेवात गए थे। जोगेश और वासिद एक क्विड कार से गए थे जबकि अरुण और तेजपाल पिकअप गाड़ी से गए थे। उन्होंने मेवात के एक व्यक्ति से केमिकल लिया और उसे पिकअप में लादकर लाए थे। यह खेप बदायूं में एक व्यक्ति को दी जानी थी जो इसे पश्चिम बंगाल के किसी बड़े तस्कर को आपूर्ति करने वाला था। इस अवैध धंधे से होने वाले मुनाफे को वे आपस में बांट लेते थे।

रज़वी परचम से होगा तीन रोज़ा उर्स-ए-रज़वी का आगाज़, दरगाह मुख्यालय पर जारी किया गया पोस्टर

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो/बरेली। आला हज़रत फ़ाज़िले बरेलवी का 108 वा विश्व विख्यात तीन रोज़ा उर्स-ए-रज़वी का आगाज़ बरेली में परचम को कुशाई की रस्म के साथ होगा। पारंपरिक उर्स-ए-रज़वी बरेली के इस्लामिया मैदान में मनाया जाता है। जिसमें देश विदेश से लाखों जायरीन शिरकत करने बरेली पहुंचते है। उर्स का आगाज़ परचम कुशाई की रस्म से होता है। इस्मालिया मैदान के रज़ा गेट पर 06 अगस्त को शाम 5 बजे दरगाह प्रमुख हज़रत मौलाना सुब्हान रज़ा खान(सुब्हानी मियां) सज्जादानशीन बदरूशरिया मुफ्ती अहसन रज़ा क़ादरी(अहसन मियां) के साथ देश-विदेश से आए उलेमा की मौजूदगी में रज़वी परचम लहराकर आगाज़ करेंगे। इसी के साथ तीन रोज़ा उर्स का विधिवत ऐलान होगा। दरगाह आला हज़रत से लेकर इस्लामिया मैदान तक जितने भी कार्यक्रम होंगे सभी दरगाह प्रमुख हज़रत सुब्हानी मियां की सरपरस्ती सज्जादानशीन बदरूशरिया मुफ्ती अहसन मियां की सदारत और सय्यद आसिफ मियां की देखरेख में सम्पन्न होंगे। इस मौके पर मुफ्ती आकिल रज़वी,मुफ्ती सलीम नूरी बरेलवी,मुफ्ती अय्यूब नूरी,मुफ्ती मोइनुद्दीन बरकाती,मुफ्ती सय्यद कफील हाशमी के अलावा औरंगज़ेब नूरी,शाहिद नूरी,अजमल नूरी,परवेज़ नूरी,शान रज़ा,ताहिर अल्वी,मंज़ूर रज़ा,मुजाहिद रज़ा,नाजिम रज़ा,नफीस खान,इशरत नूरी,आलेनबी,काशिफ रज़ा,सय्यद माजिद,डॉक्टर अब्दुल माजिद,सुहैल रज़ा,जुहैब रज़ा,गौहर खान,हाजी शरिक नूरी,तारिक सईद,रोमान खान,गयाज़ रज़ा,इरशाद रज़ा,युनुस गद्दी,नईम रज़ा,साजिद नूरी,सबलू अल्वी,जीशान कुरैशी,सय्यद एजाज़,आरिफ रज़ा,फैज कुरैशी,अमान रज़ा,अरबाज रज़ा,मुस्तकीम रज़ा,साकिब रज़ा,आदिल रज़ा,अश्मीर रज़ा,हाजी अब्बास नूरी,फारूक खान,अजमल रज़ा,समी खान,हसीन खान,हाजी अज़हर बेग,जावेद खान,शाद रज़ा,शरिक बरकाती,मोहसिन रज़ा,तनवीर रज़ा आदि लोग मौजूद रहे।

बरेली समेत मंडल भर में बारिश का दौर, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो/ बरेली। मानसून एक बार फिर सक्रिय होने से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। बरेली में रविवार सुबह से ही बारिश शुरू हो गई। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 48 घंटे तक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ासूम के सक्रिय होने से बरेली समेत पूरे मंडल में बारिश का दौर जारी है। रविवार को तड़के चार बजे से रिमझिम बारिश शुरू हुई, जो सुबह 11 बजे के बाद भी जारी रही। इस बारिश से मौसम सुहावना हो गया है। लोगों को उमस तथा गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटों में 31.8 मिमी बारिश दर्ज की गई है।मौसम विभाग ने 20 जुलाई तक जिलेभर में भारी बारिश की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी से बढ़ रही मानसूनी सक्रियता के कारण 21 जुलाई तक बारिश और तापमान में गिरावट के आसार हैं। पहाड़ों पर लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के मद्देनजर बाढ़ खंड ने भी सतर्कता बढ़ा दी है।

तापमान में गिरावट - रविवार को सड़कों पर निकलने वाले लोग बरसाती और छतरियों का सहारा लेते दिखे। कई लोग बारिश से बचने के लिए दुकानों के छज्जों के नीचे खड़े होकर मौसम के थमने का इंतजार करते रहे। इससे पहले शनिवार को जिन इलाकों में अनुकूल माहौल बना, वहां हल्की और तेज बारिश हुई थी। अधिकतम तापमान में चार डिग्री और न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई।

बारिश के चलते बाढ़ खंड के सहायक अभियंता राहुल ने बताया कि सभी बाढ़ चौकियों को निर्देश दिए गए हैं कि जलस्तर में बढ़ोतरी होने पर तत्काल सूचना दें। संवेदनशील गांवों और तटवर्ती क्षेत्रों पर विशेष नजर रखी जा रही है। लोगों से अपील है कि नदियों का जलस्तर बढ़ने पर तुरंत नियंत्रण कक्ष के नंबर 0581-2511664 पर सूचना दें।

53 ग्राम नाजायज स्मैक बरामद, अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी/रूपईडीहा - श्रीमान पुलिस अधीक्षक बहराइच महोदय श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं क्षेत्राधिकारी नानपारा श्री चित्रांशु गौतम के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक श्री हरेन्द्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम को मिली सफलता ।विवरण- दिनांक 18.07.2026 को थाना रुपईडीहा पुलिस व SSB टीम द्वारा सीमा क्षेत्र में गस्त की जा रही थी कि पिलर सं0 651/2 से नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले रास्ते पर भारतीय सीमा से नेपाल की तरफ जाते हुए एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया,

जिसे रोककर पूछताछ व तलाशी ली गयी तो कब्जे से 53 ग्राम नाजायज स्मैक व 200 रू0 भारतीय और 100 रू0 नेपाली मुद्रा बरामद हुआ ।

पूछताछ में अभियुक्त ने अपना नाम शमीम अहमद पुत्र लल्लन रायनी उम्र करीब 38 वर्ष निवासी चिकवन मोहल्ला मुनीरगंज थाना रूपइडीहा जनपद बहराइच बताया । अभियुक्त को नियमानुसार हिरासत में लेकर बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 182/2026 धारा 8/21 NDPS ACT पंजीकृत किया गया द्य अभियुक्त के विरुद्ध विधिक प्रक्रिया अनुरूप आवश्यक कार्यवाही की गयी।

हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त लाठी बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो/ बरेली । आंवला थाना पुलिस ने हत्या के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लाठी भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, 18 जुलाई को करुआताल गांव निवासी कुंवरपाल ने तहरीर देकर बताया था कि उनके भतीजे धर्मेंद्र के साथ कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके भाई पूरनलाल पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई।घटना के बाद पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी थी। मुखबिर की सूचना पर करुआताल मोड़ स्थित हनुमान मंदिर के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने घटना में शामिल होने की बात स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लाठी भी बरामद कर ली गई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान करुआताल निवासी यादराम (34 वर्ष) और भानु प्रताप (20 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि कुछ दिन पहले धान की रोपाई के भुगतान को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। इसी रंजिश में मारपीट हुई, जिसमें पूरनलाल गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

श्रीहरि मंदिर में उमड़ा जनसैलाब, 200 से अधिक लोगों ने उठाया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो/ बरेली। श्री हरि मंदिर सेवा ट्रस्ट समिति, मॉडल टाउन द्वारा रविवार को श्री हरि मंदिर धर्मार्थ चिकित्सालय में नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा शिविर का आयोजन किया गया।

अध्यक्ष सुशील अरोड़ा ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। ट्रस्ट के सचिव रवि छाबड़ा ने बताया कि शिविर में जनरल फिजिशियन, दंत, ईएनटी, नेत्र, होम्योपैथी, फिजियोथेरेपी, शुगर व रक्त जांच सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं। वरिष्ठ दंत विशेषज्ञ डॉ. पुनीत लुनियाल के सहयोग से आयोजित शिविर में 200 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण और परामर्श का लाभ उठाया।

उन्होंने बताया कि ट्रस्ट वर्षभर धर्मार्थ चिकित्सालय के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रहा है और जल्द ही यहां अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण भी स्थापित किए जाएंगे।

ट्रस्ट ने शिविर को सफल बनाने वाले सभी चिकित्सकों, सहयोगियों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

भटके 11 वर्षीय बालक को दिनारा पुलिस ने परिजनों से मिलाया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/शिवपुरी। दिनारा थाना पुलिस और बाल संरक्षण इकाई की तत्परता से उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर निवासी 11 वर्षीय बालक को सकुशल उसके परिजनों से मिलाया गया। जानकारी के अनुसार 17 जुलाई को ग्राम आवास तिराहा के पास एक बालक अकेला घूमता मिला। ग्राम थनरा निवासी अभिषेक यादव उसे सुरक्षित थाना दिनारा लेकर पहुंचे। पूछताछ में बालक ने अपना नाम मोहम्मद ईशा शेख (11) पिता मोहम्मद जाकिर शेख, निवासी जिला अंबेडकर नगर (उत्तर प्रदेश) बताया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और एसडीओपी करैरा प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना दिनारा पुलिस ने तत्काल बालक के परिजनों की तलाश शुरू की। उपनिरीक्षक अनुराधा सिंह ने उत्तर प्रदेश के थाना मालीपुर पुलिस से संपर्क कर बालक के परिवार का पता लगाया। इस दौरान बाल संरक्षण इकाई के सहयोग से बालक को अस्थायी रूप से ट्राइबल हॉस्टल, दिनारा में सुरक्षित रखा गया।

रविवार को बालक के पिता मोहम्मद जाकिर शेख शिवपुरी पहुंचे। आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन एवं वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने बालक को उनके सुपुर्द कर दिया। पूछताछ में सामने आया कि बालक मुंबई से अपने पिता के पास जाने के लिए बिना बताए निकल गया था और रास्ता भटककर शिवपुरी पहुंच गया। बालक के सकुशल मिलने पर परिजनों ने दिनारा पुलिस एवं बाल संरक्षण इकाई का आभार व्यक्त किया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अनुराधा सिंह सहित थाना दिनारा पुलिस, बाल संरक्षण अधिकारी राघवेंद्र शर्मा तथा उत्तर प्रदेश पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भावुक पलों के बीच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे को विदिशा पुलिस ने दी गरिमामयी विदाई, उत्कृष्ट सेवाओं के लिए किया गया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ जनसेवा, नवाचार और संवेदनशील पुलिसिंग की अमिट छाप छोड़ सीहोर के लिए हुए रवाना, विदिशा पुलिस ने सम्मानपूर्वक दी विदाई पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी की उपस्थिति में दिनांक 18 जुलाई 2026 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे के सीहोर स्थानांतरण के अवसर पर विदिशा पुलिस परिवार द्वारा एक गरिमामयी एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, नवागत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी, एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक श्री अतुल सिंह, एसडीओपी लटेरी श्री अमरेश बोहरे, एसडीओपी कुरवाई सुश्री रोशनी सिंह, डीएसपी श्री पंकज गीते, रक्षित निरीक्षक श्री भूर सिंह चौहान, फिंगर प्रिंट प्रभारी श्री योगेंद्र साहू, जिले के समस्त थाना प्रभारी, पुलिस अधीक्षक कार्यालय का स्टाफ तथा पुलिस परिवार के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने कहा कि डॉ. प्रशांत चौबे ने विदिशा में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कर्तव्यनिष्ठा, नेतृत्व क्षमता एवं जनसेवा की भावना के साथ अनेक उल्लेखनीय कार्य किए। उन्होंने पुलिसिंग को अधिक जनोन्मुखी एवं प्रभावी बनाने के लिए कई नवाचार किए, जिनमें सीनियर सिटीजन पुलिस पंचायत, ट्रॉमा वालंटियर सहित विभिन्न सामाजिक एवं जनहितकारी पहल विशेष रूप से उल्लेखनीय रहीं। इन नवाचारों के माध्यम से आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और सहभागिता को नई मजबूती मिली।

इसके साथ ही उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान सेफ क्लिक साइबर जागरूकता अभियान, नशे से दूरी है ज़रूरी जनजागरूकता अभियान और मानोरा मेला सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं के सफल संचालन में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व, समर्पण एवं कार्यशैली की उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी द्वारा डॉ. प्रशांत चौबे को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों के लिए प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिन्ह (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें सीहोर में नवीन दायित्व के सफल निर्वहन हेतु हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

विदाई समारोह आत्मीयता, सम्मान एवं भावनाओं से ओत-प्रोत रहा। सभी ने डॉ. प्रशांत चौबे के विदिशा में दिए गए योगदान को स्मरण करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर सफलता की कामना की। उनके कार्यकाल की सकारात्मक छाप सदैव विदिशा पुलिस परिवार और जिलेवासियों के हृदय में बनी रहेगी

संक्षिप्त समाचार

पार्टी ऑफिस तोड़े जाने के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचे अभिषेक बनर्जी, रविवार को होगी विशेष सुनवाई

तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने अमताला में अपना पार्टी ऑफिस तोड़े जाने के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

जिला प्रशासन का दावा है कि यह निर्माण अवैध था, जबकि स्थानीय लोगों ने यहाँ आपराधिक गतिविधियां चलने का आरोप लगाया है।तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने दक्षिण 24 परगना जिले के अमताला में अपने पार्टी ऑफिस को तोड़े जाने के खिलाफ याचिका दायर की है। इस मामले की सुनवाई रविवार को जस्टिस राजा बसु चौधरी की विशेष पीठ में होगी। अभिषेक बनर्जी ने बताया कि उन्होंने हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस के ओएसडी को ईमेल भेजकर कार्रवाई के वीडियो सौंपे हैं और तुरंत सुनवाई की मांग की है। उन्होंने जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट जाने की बात भी कही है। प्रशासन का दावा- अवैध था निर्माण- पार्टी ऑफिस को तोड़ने की कार्रवाई शनिवार को शुरू हुई थी, जो रविवार सुबह भी जारी रही। दक्षिण 24 परगना जिला प्रशासन का दावा है कि यह इमारत बिना किसी वैध बिल्डिंग प्लान के बनाई गई थी। प्रशासन ने इस अवैध निर्माण पर सफाई मांगने के लिए 30 जून और 7 जुलाई को दो नोटिस भेजे थे। नोटिस पाने वाले व्यक्ति को 15 जुलाई को जिला प्रशासन के कार्यालय में पेश होना था, लेकिन कोई पेश नहीं हुआ। नोटिस का जवाब न मिलने के बाद प्रशासन ने इसे तोड़ने का फैसला किया।स्थानीय लोगों के गंभीर आरोप- दूसरी तरफ, स्थानीय लोगों ने इस पार्टी ऑफिस को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। लोगों का कहना है कि यह ऑफिस गैर-कानूनी और जबरदस्ती तरीके से बनाया गया था। उनका आरोप है कि टीएमसी से जुड़े जहांगीर खान जैसे कुख्यात अपराधी इस जगह से अपनी गतिविधियां चलाते थे।

थाना सिविल लाइंस पुलिस नें एक अभियुक्त को चोरी की घटना में भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/भूपेन्द्र तिवारी/ आज एसएसपी अंकिता शर्मा के निर्देशानुसार जनपद में चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध गिरफ्तारी अभियान के अन्तर्गत आज थाना सिविल लाइंस पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त रिषी उर्फ रितिक पुत्र रूपकिशोर नि0 जीईसी इण्टर कालेज गली नं0 6, कोतवाली नगर एटा को मय चोरी किये गये 4500/-रु0 सहित गिरफ्तार किया गया । उपरोक्त अभियुक्त द्वारा अम्बेडकर पार्क तिराहे के पास रोडवेज से उतरते समय अरविन्द पुत्र श्यामविहारी निवासी सैंजनी थाना मूसाझाग जनपद बदायूँ की जेब में से रुपये निकाले गये थे । बरामदगी के संबंध में थाना सिविल लाइंस पर मु0अ0सं0 261/26 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त रिषी उपरोक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

मोहन कैबिनेट ने यूसीसी मसौदे को दी मंजूरी, निकाह हलाला होगा दंडनीय अपराध

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में समान नागरिक संहिता के मसौदे को मंजूरी दे दी। इसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और लिव-इन संबंधों के लिए समान नियम होंगे। यूसीसी के मसौदे में अनुसूचित जनजाति समुदाय को बाहर रखा है। समिति ने उत्तराखंड, गुजरात और असम के यूसीसी मॉडल का अध्ययन कर मध्यप्रदेश का मसौदा तैयार किया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में जगदीशपुर में कैबिनेट बैठक हुई। भोपाल से मुख्यमंत्री समेत पूरी कैबिनेट और अधिकारी ई-बस से जगदीशपुर पहुंचे। सीएम मोहन यादव ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए रिटायर्ड न्यायमूर्ति रंजना प्रकाश देसाई समिति के मसौदे को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कानून किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार और समान न्याय सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इस कानून का समर्थन करने की अपील भी की। मुख्यमंत्री ने बताया कि 27 अप्रैल 2026 को गठित सात सदस्यीय समिति ने विभिन्न राज्यों के यूसीसी मॉडल, प्रचलित कानूनों और सामाजिक पहलुओं का अध्ययन किया। सुझाव लेने के लिए वेब पोर्टल बनाया गया, जिसे 22 मई 2026 को सार्वजनिक किया गया। इसके अलावा प्रदेशभर में जिला और राज्य स्तर पर 50 से अधिक जन-परामर्श बैठकें आयोजित की गईं। सरकार के अनुसार पोर्टल पर 9,58,675 सुझाव प्राप्त हुए, जबकि बैठकों के माध्यम से भी 1,134 से अधिक सुझाव मिले। करीब 3.5 करोड़ एसएमएस भेजकर लोगों से राय ली गई। सरकार का दावा है कि प्राप्त सुझावों में 93.54 प्रतिशत लोगों ने मध्य प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने का समर्थन किया। वहीं 92.20 प्रतिशत लोगों ने सभी समुदायों में महिलाओं और पुरुषों के लिए समान कानून की वकालत की। 91.32 प्रतिशत लोगों ने भेदभावपूर्ण तलाक संबंधी प्रावधान समाप्त करने का समर्थन किया, जबकि 92.66 प्रतिशत लोगों ने महिलाओं और पुरुषों को संपत्ति में समान अधिकार दिए जाने की बात कही। बहुविवाह पर रोक, हर विवाह का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

समान नागरिक संहिता में सभी समुदायों में केवल एक ही शादी (मोनोगैमी) को अनिवार्य बनाता है। कोई भी व्यक्ति एक समय में केवल एक ही जीवित जीवनसाथी के साथ शादीशुदा रह सकता है। विवाह के लिए पुरुषों की न्यूनतम आयु 21 वर्ष और महिलाओं की 18 वर्ष तय की गई है। अमान्य सहमति और प्रतिबंधित रिश्तों (जब तक परंपरा की अनुमति न हो) के बीच विवाह पर रोक लगाई गई है। मौखिक तलाक या अनौपचारिक पंचायत के फैसलों को पूरी तरह गैर-कानूनी घोषित किया गया है। अब विवाह का समापन केवल कानून में बताए गए स्पष्ट और वैधानिक आधारों पर ही हो सकता है निकाह हलाला जैसी शर्तों को बढ़ावा देना अपराध

मौजूदा व्यवस्था के विपरीत, अब महिलाओं को भी यह अधिकार दिया गया है कि यदि उनके पति ने शादी के समय किसी दूसरी महिला को गर्भवती किया है, तो पत्नी शादी को रद्द घोषित करने की मांग कर सकती है।साथ ही संहिता में लोगों के लिए शादी और तलाक दोनों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। शहरी क्षेत्रों में %स्ब्क ई-नगर पालिका पोर्टल% और ग्रामीण क्षेत्रों में स्ष्ठरू नगरपालिका या पंचायत के जरिए यह प्रक्रिया पूरी होगी। रजिस्ट्रेशन न होने से शादी अमान्य नहीं होगी, लेकिन रजिस्ट्रार द्वारा बिना ठोस लिखित कारण के आवेदन खारिज करने पर जुर्माने का प्रावधान है। तलाक के बाद उसी जीवनसाथी से दोबारा शादी करने के लिए %निकाह हलाला% जैसी अपमानजनक या नीचा दिखाने वाली शर्तों को मानना, बढ़ावा देना या मजबूर करना एक दंडनीय आपराधिक अपराध माना जाएगा। अवैध शब्द को पूरी तरह हटाया - बच्चों के अधिकार और कस्टडी को लेकर संहिता में %अवैध संतान% की अवधारणा समाप्त कर दी गई है। विवाह, लिव-इन, गोद लेने, सरोगेसी या असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) से जन्मे सभी बच्चों को समान कानूनी दर्जा मिलेगा। अभिरक्षा के मामलों में अदालत बच्चे के सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता देगी। उत्तराधिकार में समान अधिकार- बेटे और बेटियों को संपत्ति के उत्तराधिकार में समान अधिकार दिए गए हैं। उनकी वैवाहिक स्थिति कुछ भी हो। मृतक की संपत्ति में विधवाओं और विधुरों के साथ भी समान व्यवहार होगा। जीवित माता और पिता दोनों को क्लास-1 का उत्तराधिकारी माना गया है, और वे मृतक बच्चे की संपत्ति में जीवनसाथी और बच्चों के साथ बराबर का हिस्सा पाएंगे। कोई भी वयस्क अपनी स्वयं अर्जित या पैतृक संपत्ति की 100 प्रतिशत वसीयत अपनी इच्छा से कर सकेगा। हत्या जैसे गंभीर अपराध में दोषी व्यक्ति उत्तराधिकार का अधिकार खो देगा और यदि कोई कानूनी वारिस नहीं होगा तो संपत्ति राज्य के पास चली जाएगी। एक माह के अंदर करना होगा रजिस्ट्रेशन - लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों के लिए साथ रहने की शुरुआत के एक महीने के भीतर रजिस्ट्रार के पास 卐लिव-इन रिलेशनशिप का बयान卐 जमा करना कानूनी रूप से अनिवार्य होगा। पार्टनर्स की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। वे प्रतिबंधित श्रेणी में न हों, पहले से विवाहित न हों और उनकी सहमति स्वतंत्र होनी चाहिए। यदि कोई पार्टनर 21 साल से कम उम्र का है, तो लिव-इन के शुरू होने और खत्म होने की जानकारी उनके माता-पिता/अभिभावकों को भेजी जाएगी। रजिस्ट्रार यह रिकॉर्ड स्थानीय पुलिस स्टेशन को भी भेजेगा। लिव-इन से पैदा हुए बच्चों को वैध माना जाएगा और उन्हें पूर्ण उत्तराधिकार मिलेगा। यदि पुरुष पार्टनर महिला को छोड़ देता है, तो वह सक्षम अदालत के माध्यम से कानूनी पत्नी की तरह ही भरण-पोषण (गुजारा भत्ता) का दावा कर सकती है। तीन से छह माह की जेल का प्रावधान - बिना रजिस्ट्रेशन एक महीने से ज़्यादा साथ रहने पर 3 महीने तक की जेल या 10,000 जुर्माना हो सकता है। गलत जानकारी देने पर 3 महीने की जेल और 25,000 जुर्माना तथा रजिस्ट्रार के नोटिस के बाद भी बयान न देने पर 6 महीने तक की जेल और 25,000 का जुर्माना हो सकता है। मध्य प्रदेश का यह प्रस्तावित यूनिफॉर्म सिविल कोड आधुनिक सामाजिक आवश्यकताओं, जेंडर इक्वलिटी और संवैधानिक मूल्यों को सुदृढ़ करने वाला एक प्रगतिशील विधिक ढांचा है। यह समाज के सभी वर्गों (अनुसूचित जनजातियों को छोड़कर) में लैंगिक समानता लाने और कमजोर वर्गों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। अनुसूचित जनजाति पर यूसीसी लागू नहीं होगा - संवैधानिक सुरक्षा-कवच का सम्मान करते हुए यह कानून संविधान के अनुच्छेद 342 और अनुच्छेद 366 (खंड 25) के तहत आने वाली अनुसूचित जनजातियों (जैसे भील, गोंड, कोरकू, बैगा, सहरिया और भारिया) पर लागू नहीं होगा। इसके अलावा, जिन समुदायों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा संविधान के भाग ङ्गङ्क के तहत की गई है, उन्हें भी इस कोड से विशेष रूप से बाहर रखा गया है। संहिता का परिभाषा वाला हिस्सा इसके अधिकार क्षेत्र को तय करता है। उत्तराधिकार से जुड़े जिन शब्दों की परिभाषा इसमें नहीं है, उनके लिए %भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925% के अर्थ मान्य होंगे। डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य समाज में विभाजन नहीं, बल्कि विश्वास, समानता, महिला सम्मान और सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि यह संविधान की मूल भावना के अनुरूप सभी नागरिकों के लिए समान न्याय और समान अवसर सुनिश्चित करने वाला कानून है। सरकार को उम्मीद है कि सभी दल और समाज के सभी वर्ग इस पहल का समर्थन करेंगे। अनुसूचित जनजाती समुदाय को यूसीसी से रखा बाहर - मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अनुसूचित जनजातियों, संरक्षित रूढ़िगत समुदायों तथा घुमंतू एवं अर्धघुमंतू जनजातियों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा गया है। धार्मिक अनुष्ठानों, पूजा-पद्धतियों और रीति-रिवाजों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं होगा। सभी धर्मों को अपने धार्मिक आचरण की स्वतंत्रता पूर्ववत मिलेगी। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक-2026- कैबिनेट ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक-2026 को भी मंजूरी दी। इसमें कारोबार और निवेश से जुड़ी स्वीकृतियों को एक छत के नीचे लाने की व्यवस्था की गई है। विभिन्न विभागों की मंजूरियों का समन्वित और समयबद्ध निपटारा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति सुधारों के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विधेयक-2026 बैठक में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विधेयक-2026 को भी स्वीकृति दी है। इसमें विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय और आधुनिक आपातकालीन व्यवस्था पर जोर दिया गया है। आग से बचाव और त्वरित राहत व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक-2026 निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक-2026 को भी बैठक में मंजूरी दी गई है। इसमें निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना और संचालन से जुड़े प्रावधानों में संशोधन किया गया है। साथ ही उच्च शिक्षा क्षेत्र में निवेश और संस्थानों के विस्तार का रास्ता आसान होगा।चिकित्सा शिक्षा में बड़ा बदलाव- बैठक में चिकित्सा शिक्षा से जुड़े एक महत्वपूर्ण संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसमें एक मेडिकल यूनिवर्सिटी की जगह अब दो स्वास्थ्य विश्वविद्यालय होंगे। जबलपुर स्थित विश्वविद्यालय को विकसित कर चिकित्सा शिक्षा का विस्तार किया जाएगा। मेडिकल, नर्सिंग और पैरामेडिकल परीक्षाओं के संचालन में आने वाली दिक्कतें कम होंगी। राजमार्ग कानून में संशोधन - सरकार ने राजमार्ग कानून में संशोधन को स्वीकृति दी है। इसके तहत अंग्रेजों के समय के पुराने और अप्रासंगिक प्रावधानों को हटाया जाएगा। आधुनिक जरूरतों के अनुरूप नया राजमार्ग कानून लागू होगा। श्रम कानूनों में सुधार- बैठक में श्रम कानूनों में सुधार को लेकर महत्वपूर्ण संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति दी हैं। इसके तहत उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए संशोधन किया गया है। इसके तहत श्रम संबंधी प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाया जाएगा। अनुपयोगी कानून होंगे खत्म- कैबिनेट ने पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त करने का निर्णय लिया। वर्तमान समय की जरूरतों के अनुरूप नए और प्रभावी कानूनों पर सरकार आगे बढ़ेगी।

शौच क्रिया कर रहे व्यक्ति की पहाड़ से गिर कर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन)।कोंच सर्किल थाना कैलिया के अंतर्गत ग्राम पहाड़ गांव निवासी गरीबे जो बीते शाम के समय अपने घर से शौच क्रिया करने हेतु गांव में स्थित एक पहाड़

पर गया था लेकिन अचानक उसका पैर सरक गया पर वह पहाड़ से नीचे गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई लोगो ने इस घटना की सूचना घर वालो और स्थानीय चौकी पर दी मौके पर थाना कैलिया के एस ओ अवनीश कुमार पटेल पहाड़ गांव चौकी के प्रभारी राजकुमार निगम सहित कई पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है मृतक के घर में इस समय मातम पसरा हुआ है गांव लोग भी दुखी नजर आ रहे है।

भाजपा नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल अपनी टीम के साथ स्वागत किया

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन)। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष कानपुर का जनपद जालौन आगमन को लेकर

एट टोल प्लाजा पर भारतीय जनता की कोंच नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल की अगुआई में जोरदार स्वागत किया गया और उनका सम्मान किया गया इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की नगर अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने कहा कि रामकिशोर साहू के क्षेत्रीय अध्यक्ष बनने से निश्चित रूप से पार्टी बुंदेलखंड में और अधिक मजबूत बनकर उभरेगी इस मौके पर शिव सिंह कुशवाहा अनिल कपूर सोनी सहित कई लोग मौजूद रहे ।

शादी के बाद पत्नी की पहचान को लेकर विवाद, सड़क पर हुआ हाईवोल्टेज ड्रामा

क्यूँ न लिखूँ सच/लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ सिविल लाइन थाना क्षेत्र के फिरदौस नगर में शादी के बाद पत्नी के किन्नर होने का आरोप लगने पर जमकर हंगामा हो गया। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पति का आरोप है कि शादी के बाद उसे पत्नी के किन्नर होने की जानकारी मिली। उसने इस संबंध में ससुराल पक्ष से शिकायत की, लेकिन समाधान नहीं निकला। पति का यह भी आरोप है कि पत्नी आत्महत्या की धमकी देकर उस पर दबाव बनाती है। वायरल वीडियो में महिला आक्रामक अंदाज में हंगामा करती दिखाई दे रही है। वहीं, उसे शांत कराने के दौरान मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। सूचना पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

थाना फैजगंज बेहटा पुलिस नें एक अभियुक्त को भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो/ आज जनपद बदायूं में एसएसपी अंकिता

शर्मा के निर्देशानुसार जनपद में चलाये जा रहे मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही अभियान के अन्तर्गत थाना फैजगंज बेहटा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त राशिद पुत्र शाहिद उम्र 26 वर्ष निवासी अब्दुल कलाम वाली गली सीकरी गेट कस्वा व थाना चन्दौसी जनपद सम्भल को मय 01 किग्रा 200 ग्राम डोडा चूर्ण सहित गिरफ्तार किया गया है । जिसके संबंध में थाना फैजगंज बेहटा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 169/2026 धारा 8/15(ङ) एनडीपीएस एक्ट वनाम् राशिद पंजीकृत कर अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया

केन-बेतवा जुड़ने के बाद बुंदेलखंड में होंगी तीन-तीन फसलें- स्वतंत्र देव

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ प्रदेश के हर ग्रामीण घर तक नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य में जुटी राज्य सरकार अब परियोजनाओं को पूरा कर मिशन मोड में ग्राम पंचायतों को हैंडओवर करने जुट गई है। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जनपद के कदौरा विकास खंड के चमारी गांव में जल अर्पण कार्यक्रम कर ग्रामवासियों को नल से जल पहुंचाने वाली इस योजना की कमान सौंपी। जल अर्पण कार्यक्रम के मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि राज्य सरकार घरों तक नल से जल की सप्लाई के साथ-साथ परिवारों को फ्री में राशन, घर तक बिजली, पक्की सड़क, किसान सम्मान निधि और बच्चों को पोषण आहार की सुविधा मुहैया करा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नल से जल आप लोगों के घरों तक पहुंचा दिया है। अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप पानी का इस्तेमाल भी करें और संरक्षण भी करें। जिससे आने वाली पीढ़ियों को भी इसी तरह घर तक पानी की सप्लाई मिलती रहे। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि केन-बेतवा को जोड़ने का काम

किया जा रहा है। दोनों नदियों को जोड़ने के बाद बुंदेलखंड की सिंचाई व्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन आएगा। किसान तीन-तीन फसलों का उत्पादन कर सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने ग्रामवासियों को बताया कि किस तरह से सरकार ने बुंदेलखंड के हर घर में नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य को साकार किया। शिफ्ट हुए परिवारों को भी जल्द मिलेगा नल से जल - जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि चमारी गांव में 10 घर ऐसे हैं, जिन्हें शिफ्ट किया गया है। उन घरों में भी जल्द ही पानी की सप्लाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए राज्य सरकार सरकारी भवनों में रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा दे रही है। 35,000 से अधिक भवनों पर रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था की गई है। खेत में तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। 6500 चैकडैम बनाए गए हैं। गांव में नल की सप्लाई पाकर भावुक हुए ग्रामवासी कभी पानी के लिए दूर-दूर तक भटकने वाले ग्रामवासी अपने हाथों में पानी की सप्लाई की कमान पाकर बेहद भावुक नजर आए। ग्रामवासियों ने संकल्प लिया कि वो अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी का संरक्षण करेंगे। जिससे पानी के जो दुख और संकट उन्होंने झेला, वो उनकी आने वाली पीढ़ियों को न भुगतना पड़े। कार्यक्रम के दौरान जलशक्ति मंत्री ने कहा कि वो और जल जीवन मिशन की पूरी टीम गांव-गांव जाकर जल जीवन मिशन की जमीनी हकीकत जान रही है। यह सुनिश्चित कर रही है कि हर घर तक नल से जल पहुंचे। इसमें किसी भी तरह का भेदभाव न हो। इस दौरान जलशक्ति मंत्री ने ग्रामवासियों से पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजना किसानों को आत्मनिर्भर बना रही है।

कार्यक्रम के दौरान जालौन के जिला पंचायत अध्यक्ष/प्रशासक घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरजंन, एमएलसी रमा निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में जल जीवन मिशन के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कांवड़ मार्ग, सीसीटीवी कैमरे से रहेगी निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच/ब्यूरो/ बदायूं कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में रविवार को कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत आहूत समीक्षा बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि कावड़ यात्रा सिंगल यूस प्लास्टिक मुक्त हो। जनपद के प्रभारी मंत्री व प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन एवं जन्तु विज्ञान अरुण कुमार सक्सेना ने कहा की कावड़ यात्रा का आयोजन धूमधाम से उत्सव के रूप में किया जाए। कावड़ यात्रा घटना रहित हो। उन्होंने कहा कि कावड़ियों का मार्ग सुगम बनाएं और इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कावड़ियों को कोई परेशानी ना हो।

30 जुलाई 2026 से प्रारंभ हो रही कावड़ यात्रा के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में कावड़ यात्रा को सकुशल रूप से संपन्न कराने के संबंध में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आहूत बैठक में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि कावड़ यात्रा में कावड़ियों को परेशानी ना हो। उन्होंने कहा कि सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं तथा परस्पर समन्वय से कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत सभी तैयारियां इस प्रकार की हों कि कांवड़ियों के लिए यह यात्रा यादगार बन जाए और वह बदायूं से अमिट स्मृति लेकर जाएं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जनपद के प्रभारी मंत्री व प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वन एवं जन्तु विज्ञान अरुण कुमार सक्सेना ने जिला वन अधिकारी से कहा कि शिवालयों में वन विभाग की ओर से फलदार पेड़ों को भक्तों को दिया जाए ताकि वह उसे अपने घरों पर लगा सके। उन्होंने लोक निर्माण विभाग व एनएचएआई के अधिकारियों से कहा कि सड़कों के गडढ़ों को समय से ठीक कराया जाए ताकि कांवड़ियों को कोई परेशानी ना हो। उन्होंने अधिशासी अधिकारी

नगर पालिका परिषद बदायूं व कछला से कहा कि अगर कहीं रास्ते में नाले खुले हैं तो उन्हें पाट दिया जाए। उन्होंने साफ सफाई की समुचित व्यवस्था के लिए नगर पंचायत कछला नगर पालिका परिषद उझानी नगर पालिका परिषद बदायूं के अधिशासी अधिकारियों व जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया तथा अब तक की गई कार्यवाही के बारे में भी जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने कहा कि कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाले विद्युत पोलों पर प्लास्टिक/रैपर लगाया जाए तथा ट्रांसफार्मर आदि की भी बैरिकेडिंग की जाए तथा ढीले तारों को टाइट किया जाए ताकि कोई घटना ना हो सके। वहीं उन्होंने चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक संचालन करने उसमें समुचित दवाई आदि रखने के लिए निर्देशित किया।

प्रभारी मंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया कि कावड़ यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था सुदृढ़ रहे तथा पुलिस अधिकारियों का व्यवहार कावड़ियों के प्रति अच्छा रहे इसका विशेष ध्यान रखा जाए। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य ने कहा कि प्रत्येक शिविर पर मोबाइल टॉयलेट हो तथा वहां महिला पुलिस कार्मिक की तैनाती हो। कांवड़ियों को परेशानी ना हो। सोशल मीडिया पर भी नजर रखी जाए।

जिलाधिकारी अवनीश राय ने जिला प्रशासन द्वारा कावड़ यात्रा के दृष्टिगत की गई तैयारियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि कांवड़ व डीजे की अधिकतम ऊंचाई 12 फीट व अधिकतम चैड़ाई 10 फीट ही होगी तथा डीजे पर बजने वाले गानों का अधिकतम वॉल्यूम 75 डेसी बल ही अनुमन्य होगा। उन्होंने बताया कि कावड़ यात्रा के दृष्टिगत पूरे जनपद को 06 जोन व 16 सेक्टर में बांटा गया है। प्रत्येक जोन में एक-एक जोनल मजिस्ट्रेट व जोनल पुलिस अधिकारी की तैनाती की गई है वहीं सेक्टर में दो-दो पालियों में 32 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा तीन-तीन पालियों में 42 स्टेटिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई है। उन्होंने बताया कि कावड़ यात्रा में कछला गंगा घाट मुख्य मार्ग पर 422 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही 07 वॉच टावर भी लगाए गए हैं जिसमें एक गंगा घाट पर 6 अन्य स्थानों पर होंगे। बैरियर, नाव, गोताखोरों, मोबाईल टायलेट, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम आदि की व्यवस्था भी रहेगी। कुल 132 शिवालय हैं जिनमें से 68 जलाभिषेक के मंदिर हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में कछला गंगाघाट, जोरी नगला, भुण्डी, अटैना, साधू मढ़ी व जामनी सहित 06 घाट है। उन्होंने बताया कि कांवड़ मार्ग पर समुचित प्रकाश व्यवस्था के लिए हैलोजन आदि लाइट भी लगाई जाएंगी।

जिलाधिकारी ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान त्वरित सहायता एवं प्रभावी समन्वय के लिए कलेक्ट्रेट स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) तथा पुलिस लाइन में कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। कलेक्ट्रेट स्थित आईसीसीसी कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 05832-266049, 05832-266050, 05832-266052 एवं 05832-266054 तथा मोबाइल नंबर 7505389289 एवं 7505395940 जारी किए गए हैं। इसी प्रकार पुलिस लाइन स्थित कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9454402956 एवं 9454417440 पर भी किसी भी प्रकार की सूचना अथवा सहायता प्राप्त की जा सकती है। इसके अतिरिक्त कछला पुलिस चैकी, थाना कोतवाली उझानी, थाना कोतवाली बदायूं तथा थाना सिविल लाइंस में भी नियंत्रण कक्ष संचालित रहेंगे, जहां से यात्रा से संबंधित व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की जाएगी तथा प्राप्त सूचनाओं पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि 30 जुलाई 2026 से प्रारंभ होने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान प्रत्येक शुक्रवार सायं 8:00 बजे से सोमवार सायं 5:00 बजे तक लागू रहने वाले रूट डायवर्जन को प्रभावी ढंग से लागू कराया जाएगा। उन्होंने बताया की कावड़ यात्रा के दौरान 3 अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त, 24 अगस्त सहित कुल चार सोमवार पड़ेंगे तथा 11 अगस्त को श्रावण शिवरात्रि मनाई जाएगी व 28 अगस्त को रक्षाबंधन होगा।

बैठक के दौरान सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, एमएलसी वागीश पाठक, शेखूपुर विधानसभा के पूर्व विधायक धर्मेंद्र शाक्य आदि ने भी अपने अमूल्य विचार व सुझाव रखें। इससे पूर्व कलेक्ट्रेट आगमन पर प्रभारी मंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

दीपू पेंटर का झांसी में स्वागत सम्मान हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच/पवन कुमार/ कोंच(जालौन)।राष्ट्रीय पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय चोरिया पूर्व आर्मी मेजर

के आवास पर एक बैठक हुई जिसमें कोंच के राष्ट्रीय बुंदेलखंड अध्यक्ष दीपू पेंटर कोंच का स्वागत सम्मान किया गया इस बैठक में संगठन को लेकर मजबूत बनाने की भी बात कही गई इस दौरान बुंदेलखंड के प्रभारी अशोक प्याल जी सहित संगठन के को कई लोग मौजूद रहे।

घर से उठाया, पैसे वसूले, फिर आरोपी बना दिया-पीड़ित ने SSP को सुनाई आपबीती

क्यूँ न लिखूँ सच/लवकुश ठाकुर /अलीगढ़ थाना क्वार्सी क्षेत्र के जीवनगढ़ निवासी मो. जहीर ने एसएसपी को शिकायती पत्र देकर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के अनुसार, 15 जुलाई की रात पुलिस उसे घर से उठाकर चौकी ले गई, जहां उसके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि बाद में उसकी पत्नी से छोड़ने के नाम पर कुल 43,500 रुपये वसूले गए और इसके बावजूद उसके खिलाफ सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर दिया गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि उसे घर से उठाए जाने के सीसीटीवी फुटेज भी मौजूद हैं और पुलिस ने गिरफ्तारी का स्थान गलत दर्शाया है। उसने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई और परिवार की सुरक्षा की मांग की है। हालांकि, ये सभी आरोप शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए हैं। पुलिस ने आरोपों की पुष्टि नहीं की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

घर में गूंजी थी किलकारी, घंटेभर बाद उठ गई अर्थी

क्यूँ न लिखूँ सच/लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) से नवजात भतीजे और भाभी से मिलकर घर लौट रहे 25 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में नवजात के जन्म की खुशियां मातम में बदल गईं। भूतपुरा निवासी अशोक रात अपने बड़े भाई की पत्नी से अस्पताल में मुलाकात कर बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में बरौठा नहर पुल के पास एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उसे अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। को पोस्टमार्टम के बाद अशोक का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मृतक की करीब एक वर्ष पहले शादी हुई थी और उसकी दो माह की एक बेटी है। घटना के बाद परिवार और पूरे गांव में शोक का माहौल है। थाना प्रभारी हरिभान सिंह ने बताया कि अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक की तलाश की जा रही है।

रिश्तों का खूनः नाराजगी में चचेरे भाई ने उतारा मौत के घाट, सिर-धड़ अलग कर खेत में फेंका

क्यूँ न लिखूँ सच/लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ सिकंदरपुर क्षेत्र में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। छर्रा के गांव सिखरना खुर्द निवासी 18 वर्षीय असलम की शुक्रवार रात धारदार हथियार से सिर काटकर हत्या कर दी गई। हत्यारों ने शव के सिर और धड़ को अलग-अलग स्थानों पर खेत में फेंक दिया। मृतक असलम पुत्र निजामुद्दीन ट्रक और बसों में ड्राइवरी करता था। परिजनों के अनुसार शुक्रवार शाम करीब पांच बजे वह अपने चचेरे भाई फैजान के साथ बाइक से छर्रा गया था। फैजान उसे छर्रा कस्बे में उतारकर अलीगढ़ चला गया। इसके बाद असलम का मोबाइल बंद हो गया। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने तलाश शुरू की। डॉग स्क्वॉड की मदद से करीब तीन घंटे बाद पुलिस ने उसी खेत से असलम का सिर बरामद कर लिया। जांच में सामने आया कि हत्या उसके चचेरे भाई फैजान ने ही की थी। पुलिस के अनुसार, असलम ने फैजान के परिजनों के साथ गालीगलौज की थी, जिससे वह नाराज था। इसी रंजिश में उसने हत्या की वारदात को अंजाम दिया। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

Many passenger and MEMU trains will be cancelled on July 18-19. See the list of cancelled trains.

If you are planning to travel by train on July 18 or 19, please note that the Railways have cancelled several trains due to technical work on the Raipur division. Sometimes trains do not depart on schedule or are cancelled due to various reasons, causing inconvenience to passengers. However, the Railways also has to carry out various technical works, which necessitate cancellations or rerouting of trains. If you travel by passenger and MEMU trains daily, please note that technical work is scheduled to be carried out on the Raipur division of the South East Central Railway on July 18 and 19, due to which many passenger and MEMU trains will be cancelled. You can view the list of cancelled trains here... Which trains will be cancelled on July 18 and 19? Bilaspur MEMU Passenger (Train No. 68733)- Gevra Road-Bilaspur MEMU Passenger (Train No. 68728)- This train will be cancelled on July 19 Raipur-Korba Passenger (Train No. 58204)- Will not run on July 18 and 19 Raipur-Gevra Road MEMU Passenger (Train No. 68746) will be cancelled on July 18 Bilaspur-Raipur MEMU Passenger (Train No. 68719) will be cancelled on July 18 and 19 Korba-Raipur Passenger (Train No. 58203)- Will be cancelled on July 18 and 19 Gevra Road-Raipur MEMU Passenger (Train No. 68745) will be cancelled on July 19 Bilaspur-Gevra Road MEMU Passenger (Train No. 68734) will be cancelled on July 19 What to do before leaving home What to do? Check your train status before leaving home. Check the train status on the app or by calling the railway helpline number 139.

Car Safety Tips: These four things should never be left inside a car in the sun, as they could lead to a major accident.

It's common for people to leave things inside their cars, which can cause fires. It's worth noting that even a simple water bottle can sometimes cause such accidents. In this article, let's explore the things you shouldn't leave inside your car. Parking your car under the hot sun is common during the summer, but did you know that even a small mistake could lead to a major accident? When a closed car is parked in direct sunlight, the temperature inside it rises twice as fast as outside. Consequently, even minor items kept inside the car's cabin can act as time bombs due to the intense heat and pressure. It's crucial for the average person to understand these dangers. So, in this article, let's explore four things you should never leave in a car parked in the sun. Smartphones, power banks, and electronic gadgets - Mobile phones, laptops, or power banks contain lithium-ion batteries. When the temperature inside a car rises above 60 degrees, these batteries begin to boil. Excessive heat can cause the battery to swell, leak chemicals, or suddenly explode, potentially engulfing the entire car. Pocket lighters and gas sprays (deodorants): Many people leave small plastic cigarette lighters or freshener/deodorant sprays in their cars. These items contain highly flammable liquid petroleum gas. Due to intense sunlight and heat, the pressure inside these containers increases so much that they suddenly explode with a loud noise, which can even break the glass. Hand sanitizers and alcohol-based products - Keeping hand sanitizer in the car has become a habit since the COVID-19 pandemic. But sanitizer contains more than 70% isopropyl alcohol, which catches fire very quickly. If gas is produced from the sanitizer bottle in the extreme heat of a closed car, then a small spark or high temperature can cause a fire inside the cabin. Plastic water bottle and glasses - A transparent plastic water bottle kept in the sun works like a magnifying glass after sunlight enters the car. When the sun rays filter through this bottle and concentrate on a point on the car seat fabric, extreme heat is generated there, due to which the seat starts burning, hence one should never keep a plastic water bottle inside the car. Apart from this, you should also not keep glasses inside the car or on the dashboard.

Cyclospora Outbreak: Cyclospora infection increases tension, patients are facing these problems: How to stay safe?

After cases of Cyclospora infection were reported in the United States, people are experiencing a lot of fear about it. Learn about this foodborne parasite and its symptoms. How can this risk be mitigated? With the onset of monsoon in the country, people are being alerted about diseases caused by contaminated water and food. The risk of food poisoning increases significantly during the rainy season, which can lead to severe vomiting, diarrhea, and dehydration. Pathogens like Salmonella, E. coli, and Listeria are considered the main causes. In severe cases, patients may even need hospitalization. With these symptoms, cases of cyclosporiasis, caused by the Cyclospora parasite, are increasing in the United States. This is primarily a small intestinal infection that causes severe diarrhea along with abdominal cramps and nausea. Like food poisoning, this infection is caused by contaminated food and water. According to reports, nearly 3,000 people have fallen victim to it so far, placing a constant strain on healthcare services. Let's understand how dangerous cyclosporiasis is and what measures can be taken to prevent it. Cyclosporiasis, a disease with symptoms similar to food poisoning, has raised concerns among health officials in the United States. This infection is not caused by a virus or bacteria, but by a microscopic parasite called Cyclospora cayetanensis. This infection is usually spread through contaminated vegetables, fruits, and contaminated water. Cases are more likely to increase during the summer and rainy seasons. The biggest challenge with cyclospora infection is that its symptoms appear similar to those of common food poisoning. When watery diarrhea, abdominal cramps, nausea, and weakness persist for several days, people often dismiss it as a common infection. Without timely treatment, the illness can persist for several weeks. People with weakened immune systems, the elderly, young children, and those with chronic illnesses are at greater risk due to dehydration. How to identify Cyclospora infection? - Watery diarrhea is most common due to Cyclospora infection. Symptoms may begin approximately 2 to 14 days after infection. In many patients, diarrhea may come and go for several weeks. In some, if untreated, symptoms may persist for a month or more. Abdominal cramps, abdominal pain, gas, extreme fatigue, weakness, nausea and vomiting, loss of appetite, weight loss, and a mild fever may also occur. Frequent diarrhea depletes the body of water and electrolytes, increasing the risk of dehydration. This condition can be more severe in children, the elderly, and those with pre-existing medical conditions. How to prevent cyclosporiasis? Clean food and clean water are essential for preventing Cyclospora infection. Fruits and vegetables should be thoroughly washed with clean running water before eating. Hand hygiene is also crucial. Washing hands with soap and water for at least 20 seconds after preparing food, eating, and using the toilet reduces the risk of infection. Gastroenterologist Dr. Joseph Salhab says that thoroughly cooking food is the most reliable way to eliminate germs. Frozen or canned food may be safe during the infection period. Dr. Salhab says that if there is an outbreak of this infection in your city and you become infected, pay attention to its symptoms. It is important to maintain plenty of water and electrolytes.

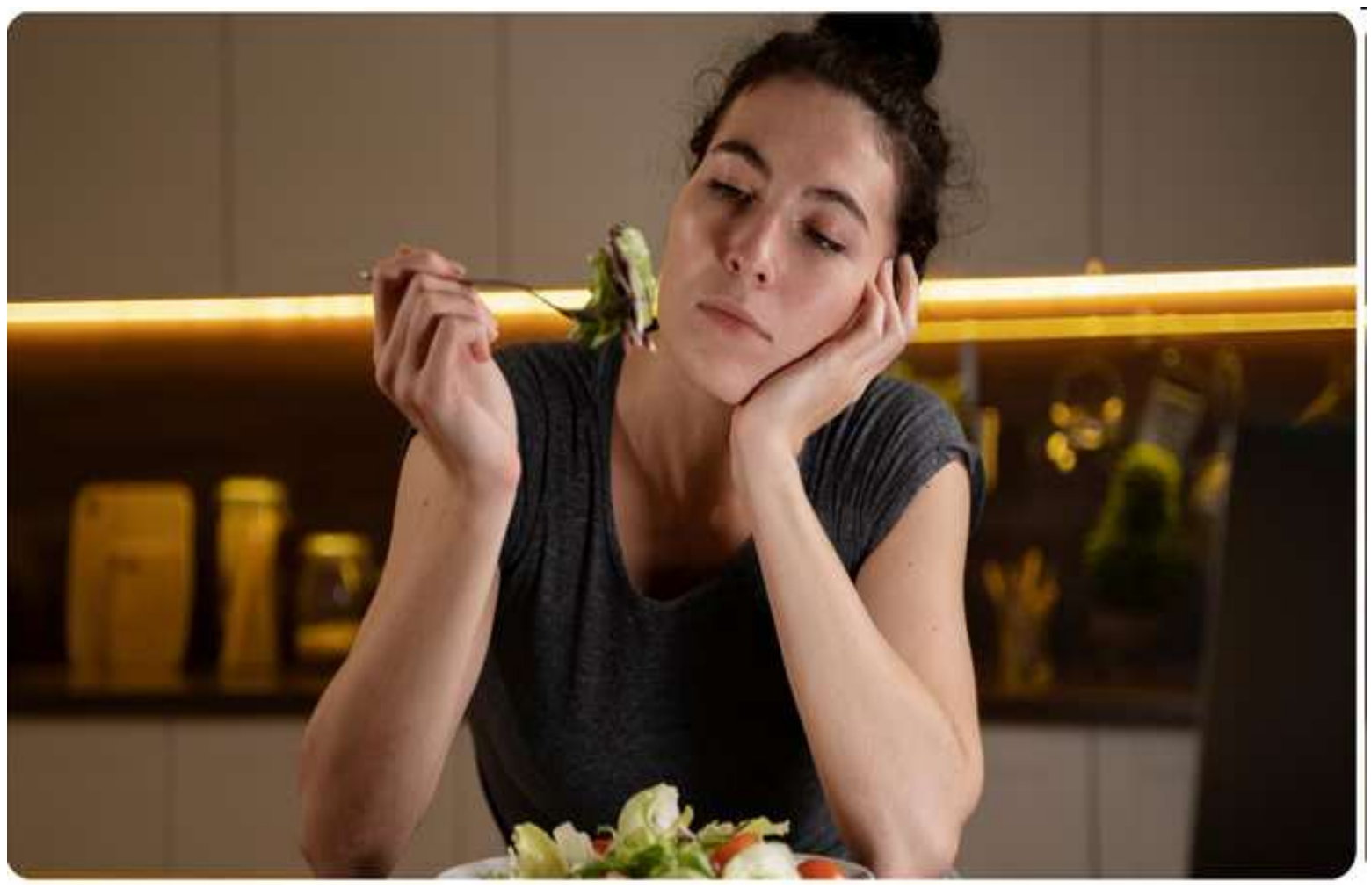

"Ramayana" actor Adinath Kothare divorces his wife; they part ways after 15 years of marriage; they will raise their daughter together

Actor Adinath Kothare and his wife Urmila's marriage has hit a rough patch. After 15 years of marriage, they have decided to divorce. Adinath Kothare is in the news for his personal life.

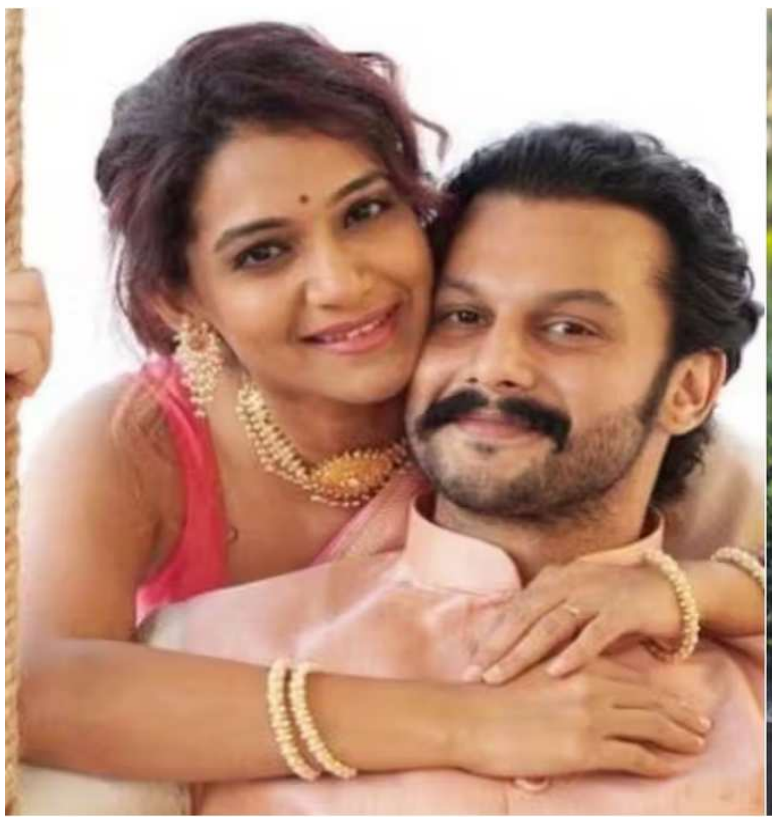

He is separating from his wife. After nearly 15 years of marriage, he and his wife Urmila have decided to divorce. The two shocked fans by sharing this information in a joint social media post. In the post, they stated that they will raise their daughter together. Adinath Kothare is currently in the news for his film "Ramayana." Adinath also plays a key role in Nitesh Tiwari's mega-budget film "Ramayana," starring Ranbir Kapoor. However, before the film's release, the actor has come under the spotlight for his personal life. A post shared on Instagram on Thursday stated that the two had made this decision by mutual consent. They stated, "Daughter is our priority." In the shared post, Adinath and Urmila wrote, "After much deliberation, Urmila Kanetkar and I (Adinath M. Kothare) have mutually decided to separate as partners. Although our journey as a couple has ended, our responsibility to our daughter, Jija, remains unwavering. She is our utmost priority. We are happily and diligently raising her together so that she can grow up in a loving and safe environment." "Request for respect for privacy" - Further, it reads, "We deeply respect each other and the years we have shared together. We are deeply grateful to everyone for their love and support over the years. We sincerely hope that you will continue to bless us as we enter this new chapter of our lives." "We request that our privacy be respected. This will be our only statement on this matter and we will not be commenting further. Thank you for your continued love and support."

"Molested on the bus, slapped on the street"; Tilottama recounts painful experiences, saying, "Mumbai handled me."

Actress Tilottama Shome is known for her outspokenness. These days, she's in the news for her film "Ikka." In a recent exclusive interview with Amar Ujala, she not only spoke openly about her acting journey but also shared experiences that transformed her. Tilottama Shome recounted how, from childhood to adulthood, harassment in public places filled her with fear and distrust. But time, relationships, and the city of Mumbai gradually taught her to trust again. "Someone would rub my body on the bus, someone would slap me while walking on the street." Recalling the old days, Tilottama explains that molestation wasn't an isolated incident for her, but an almost daily reality. "It wasn't a one-off thing. It was an almost daily occurrence. Someone would come up from behind and rub their body on the bus." Sometimes someone would pinch me, or sometimes someone would slap me while I was walking on the street and walk away.' She further said, 'By the way, this wasn't just limited to Delhi. This happened to me in Bengaluru too. I still remember, I was very young and returning home from school. A man on a bicycle grabbed me from behind and then immediately ran away.' 'I told my mother I didn't want to go to school, but she taught me to fight.' - Tilottama was so scared after that incident that she decided to stop going to school. 'That day, when I came home, I told my mother that I wouldn't go to school anymore. But my mother said, "Now you not only have to go to school...but you also have to take karate classes. You have to learn to fight your own battles." She says that over time, she realized that the meaning of 'fighting' also changes. "As time changed and life became more comfortable, I realized that the meaning of learning to fight also changed." "Gradually, I forgot how to trust people." These repeated incidents filled Tilottama with such fear and distrust that it took her years to overcome them. "I feel like I have to change many of my old mindsets now. I spent 17 years in Delhi. We didn't have our own car, so I traveled by bus and other public transport to school, college, and work. Almost every day, some incident or the other would happen, leaving fear in my mind." She continues, "Gradually, not trusting people, being constantly alert, first suspecting, then reacting... all this became a part of my nature. It took me a long time to overcome that mindset." "This isn't just my story, it's the story of millions of women." The actress admits that her experience isn't just that of any one girl or woman. "This isn't just my story. This is the story of countless women who travel on public transport every day... We have to be vigilant about our safety on every trip. Unfortunately, there's a lack of security there. This is a reality, and it impacts our entire thinking and experiences. "Mumbai taught me to trust people again" - After leaving Delhi and living in different parts of the country and the world, the actress found a different kind of peace in Mumbai. She says, "Then I left Delhi. I traveled to many parts of the country and the world. Coming to Mumbai, for the first time, I felt safer than ever before. Now I can leave the house without hesitation, and return late at night. No unpleasant incident has happened to me here. This city gradually reduced the fear within me. It taught me to trust people again. Because I would prefer to live my entire life trusting people... rather than suspecting everyone." "Not everyone I come close to is harmful" - She believes that trust begins to return only when one gives themselves the opportunity to overcome fear. "There comes a time when you try to overcome that fear and thinking. You begin to trust that the person passing by or coming close to you will not harm you. When you learn to trust, your thinking also begins to change. Sometimes your trust is proven right, and that person becomes your best friend. They neither harm you, nor scare you, nor trouble you. In such a situation, your faith in humanity begins to return." "I am not saying to forget everything and move on," Tilottama clarifies, adding that she does not mean to forget the pain. "I don't think a person should live their entire life in fear, no matter how bad the experiences are. But I am also not saying to just forget everything and move on." She admits that she too lived with bitterness and distrust for a long time. "I myself have lived with bitterness and distrust of people for a long time. But now I live with more courage, more confidence, and a little more daring. I can now go to places I was afraid to go before.' 'I no longer give up roles out of fear' - this change is also visible in her acting. 'Whether it's a road or a character I know people might misunderstand or judge, I'm not afraid to play such characters anymore.' 'I had become like a rough stone... now life has softened me' The mention of Mumbai brings a smile to Tilottama's face. "Mumbai has so nurtured and comforted me that now, when I go to Delhi, I can enjoy it freely. I love the beautiful buildings, the amazing food, and the people whose world doesn't revolve around films." She then shares something her mother once said. "My mother used to say I had become like a rough stone, a very tough and combative person. And that was true. But now this city has softened the sharp edges of my life. I feel the burden on my shoulders has lightened. The sternness on my face has also diminished." "I don't want to spend the rest of my life with distrust." Tilottama smiled several times before the conversation ended, her voice choking at times. But what she said at the end was perhaps the most beautiful essence of the entire conversation. "Today, I feel that friends, life partners, and life experiences are like a river that, as it flows, softens even a stone. I don't want to spend the rest of my life with distrust."

"Toxic" actor lashes out at criticism of Kiara Advani and praise for Yash in the song "Tabahi"; says this double standard reflects society's mindset

Many people are targeting Kiara Advani for the overly bold scenes in the song "Tabahi" from "Toxic." Now, an actor associated with the film has slammed the trolls. Find out what he said... Yash's "Toxic" continues to be in the news. The song "Tabahi," featuring Kiara Advani and Yash, also drew criticism for its bold scenes. British actor Benedict Garrett, who appears in the film, criticized the trolls who criticized Kiara Advani and praised Yash for the song "Tabahi." Benedict questioned this double standard. He pointed out that Yash is also married and a father, while Kiara faced criticism for her romantic scenes. Benedict slams trolls for double standards - Sharing a video on his Instagram account, Benedict criticized trolls who criticized Kiara. He questioned their double standards, saying, "I've seen people praising Yash. They fill his comments with fire emojis and say how amazing he looks. But when it comes to Kiara Advani, people start mocking her. People are saying things like, 'Hey, she just got married, she's a mother, and going on a honeymoon with Sidharth Malhotra, she's working.' Really?' He also instead of for doing her job, while Yash is being praised for doing the same thing?" Yash is wrote in his caption, "Why is Kiara Advani being targeted is also married and said, "Look, Yash is married and has children. So why is also married and a father. Benedict pointed out that Yash praised? Listen, the point is, they're actors. Their job is to act, play a character, only the woman being criticized, while the man is being and make you believe they're in love, even if they're not. Their job is to tell stories that reflect human experiences. They're not criticizing her acting. They're criticizing her because she's someone's wife, someone's mother. As if marriage means an actress should quit acting. This is absurd. The problem isn't her professionalism. The problem is the double standards and hypocrisy of those attacking her.' He wrote in the caption, 'The criticism of the Tabahi music video says less about either actor and more about society.' 'Toxic' will release on August 26th. 'Toxic' has been embroiled in controversy since its inception due to the harsh reactions to its promotional material. The film's posters and trailers depict violence and sexuality in equal measure, drawing widespread criticism. Directed by Geetu Mohandas, "Toxic" also stars Yash and Kiara Advani, along with Nayanthara, Huma Qureshi, Tara Sutaria, and Rukmini Vasanth. "Toxic" will release in theaters on August 26.